CBSE Class 12 Hindi Core Question Paper 2024 with Solution PDF-Set 2/5/2

Question Paper with Solutions

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

निर्धारित समय: 3 Hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 14 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) प्रश्न 14 में आंतरिक विकल्प दिया गया है; ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का उत्तर दीजिए।
(iii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर लिखिए।
(iv) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दर्शाए गए हैं।

1. शब्द तो आए बहुत बाद में
संख्याएँ हमारे साथ जन्म से ही हैं
गर्भ में जब
निर्माण हो रहा था हमारी हड्डियों का
रक्तकणों और कोशिकाओं का
साथ-साथ संख्याएँ भी निर्मित होती जा रही थीं
एक हमारी देह की इकाई की वो संख्या है
जिसमें समाहित हैं सारी संख्याएँ
दो आँखों में स्थित है दो
तीन है उँगलियों के तीन जड़ों में,
हृदय के हिस्से हैं चार
और पाँच का निवास
पाँच उँगलियों में है
आगे की सारी संख्याओं को
देह में तलाशना बहुत मज़ेदार खेल है
नौ को तो अमर कर गए कबीर
कि नौ द्वारे का पिंजरा ता में पंछी पौन.....
मुझे तो बहुत चकित करती है यह बात
कि देह की संख्याएँ आठ की संख्या निर्धारित करती है
क्योंकि आठ तरह से ही मुड़ती है यह देह
इसीलिए तो कृष्ण कहलाते हैं अष्टावक्र
सात रंग दिखते हैं आँखों को
और जीभ छह तरह के स्वादों को पहचानती है
इसीलिए तो भोजन को कहा गया षट्रस
देखिए एक से बना कैसा प्यारा शब्द
एका
एक जो दूसरे के बिना रह नहीं सकता
जिसके बिना संभव नहीं थी
इस दुनिया की शुरुआत
मैंने तो शुरू में ही कही थी यह बात
कि संख्याएँ शब्दों की पूर्वज हैं
शब्द तो आए बहुत बाद में
और आते ही चले जा रहे हैं
जबकि संख्याएँ सबकी सब आ चुकी हैं
क्या कोई नई संख्या बता सकते हैं आप। [5 अंक]

1(i). पद्यांश के आधार पर संख्याओं की क्या विशेषता है ? [1 अंक]

(A) हमारी देह का निर्माण संख्या के आधार पर हुआ है।

(B) संख्याओं का जन्म हमारे साथ ही हुआ है।

(C) संख्याओं का जन्म मनुष्य से पूर्व हुआ है।

(D) पूरे विश्व में संख्याएँ एक समान लिखी जाती हैं।

सही उत्तर: (B) संख्याओं का जन्म हमारे साथ ही हुआ है।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर केवल दिए गए पाठ के कथन और प्रसंग के आधार पर चुना जाता है।
- विकल्प में आए अतिरिक्त विचार को पाठ का प्रत्यक्ष अर्थ मानने से बचना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक आधार पहचानें कवि स्पष्ट कहता है, "संख्याएँ हमारे साथ जन्म से ही हैं। गर्भ में हड्डियों, रक्तकणों और कोशिकाओं के निर्माण के साथ संख्याओं का निर्मित होना भी बताया गया है। इसलिए प्रश्न का उत्तर जन्म से जुड़े इसी प्रत्यक्ष कथन से मिलता है।

चरण 2: सभी विकल्पों की जाँच करें विकल्प (A) देह के निर्माण को संख्याओं का परिणाम बताता है, जबकि कवि साथ-साथ निर्माण की बात करता है। (C) में मनुष्य से पहले जन्म कहा गया है, जो दिए हुए कथन से मेल नहीं खाता। (D) में संख्याओं के एक समान लिखे जाने का दावा है, जिसका पद्यांश में उल्लेख नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष संख्याओं का जन्म हमारे साथ ही हुआ है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: जन्म संबंधी प्रश्न में गर्भ और "जन्म से ही वाले कथन को सीधे उत्तर से मिलाएँ।

1(ii). 'एक हमारी देह की इकाई की वो संख्या है
जिसमें समाहित हैं सारी संख्याएँ' – का अर्थ है : [1 अंक]

(A) एक ही परम पिता में संपूर्ण ब्रह्मांड समाहित है।

(B) शरीर संख्याओं के योग से बना है।

(C) सारे अंगों का पोषण शरीर से होता है।

(D) हमारे शरीर में सारी संख्याएँ समाई हुई हैं।

सही उत्तर: (D) हमारे शरीर में सारी संख्याएँ समाई हुई हैं।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर केवल दिए गए पाठ के कथन और प्रसंग के आधार पर चुना जाता है।
- विकल्प में आए अतिरिक्त विचार को पाठ का प्रत्यक्ष अर्थ मानने से बचना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक आधार पहचानें देह को एक इकाई कहा गया है और इसी इकाई में सारी संख्याएँ समाहित मानी गई हैं। आगे दो आँखें, उँगलियों के तीन जोड़, हृदय के चार हिस्से तथा पाँच उँगलियाँ जैसे उदाहरण देकर कवि शरीर में संख्याओं की उपस्थिति समझाता है।

चरण 2: सभी विकल्पों की जाँच करें (D) पंक्तियों में व्यक्त समावेश का सीधा अर्थ देता है। (A) परम पिता और ब्रह्मांड की बात जोड़ता है, जिसका यहाँ प्रसंग नहीं है। (B) शरीर को संख्याओं के योग का परिणाम बताता है, जबकि पंक्ति शरीर में संख्याओं के समाए होने पर केंद्रित है। (C) अंगों के पोषण का विचार है, जो इन पंक्तियों का विषय नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष हमारे शरीर में सारी संख्याएँ समाई हुई हैं। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: भावार्थ चुनते समय देह को एक इकाई और उसके अंगों में संख्याओं की उपस्थिति से जोड़ें।

1(iii). कवि को कौन-सी बात आश्चर्यचकित करती है ? [1 अंक]

(A) श्रीकृष्ण को अष्टावक्र क्यों कहते हैं ?

(B) देह आठ तरह से क्यों मुड़ती है ?

(C) देह की संख्याएँ आठ की संख्या कैसे निर्धारित करती है ?

(D) संख्या और देह का परस्पर क्या संबंध है ?

सही उत्तर: (C) देह की संख्याएँ आठ की संख्या कैसे निर्धारित करती है ?

हल:

अवधारणा:

- उत्तर केवल दिए गए पाठ के कथन और प्रसंग के आधार पर चुना जाता है।
- विकल्प में आए अतिरिक्त विचार को पाठ का प्रत्यक्ष अर्थ मानने से बचना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक आधार पहचानें कवि के आश्चर्य की पहचान "मुझे तो बहुत चकित करती है यह बात से शुरू होने वाली पंक्तियों से होती है। इनके बाद देह की संख्याओं द्वारा आठ की संख्या निर्धारित करने की बात कही गई है। अगली पंक्ति में देह के आठ तरह से मुड़ने का उल्लेख इसी संदर्भ को आगे बढ़ाता है।

चरण 2: सभी विकल्पों की जाँच करें विकल्प (C) उसी बात को व्यक्त करता है जिसे कवि ने चकित करने वाली कहा है। (A) में नामकरण का प्रश्न है और (B) में मुड़ने का कारण पूछा गया है; ये आगे आए विवरण हैं। (D) संख्या और देह के व्यापक संबंध का प्रश्न है, जबकि यहाँ आठ की संख्या से जुड़ा विशिष्ट आश्चर्य पूछा गया है।

चरण 3: निष्कर्ष देह की संख्याएँ आठ की संख्या कैसे निर्धारित करती हैं। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: "चकित करती है के तुरंत बाद आने वाली बात को खोजें; व्यापक विषय को उत्तर न चुनें।

1(iv). 'नौ द्वारे का पिंजरा ता में पंछी पौन' – पंक्ति के संदर्भ में 'पिंजरा' शब्द से आशय है – [1 अंक]

(A) जीवन

(B) संसार

(C) आत्मा

(D) शरीर

सही उत्तर: (D) शरीर

हल:

अवधारणा:

- उत्तर केवल दिए गए पाठ के कथन और प्रसंग के आधार पर चुना जाता है।
- विकल्प में आए अतिरिक्त विचार को पाठ का प्रत्यक्ष अर्थ मानने से बचना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक आधार पहचानें पद्यांश में शरीर के विभिन्न अंगों के माध्यम से संख्याओं की चर्चा चल रही है। इसी क्रम में कबीर की "नौ द्वारे का पिंजरा पंक्ति आती है। यहाँ नौ द्वारों वाला पिंजरा देह का रूपक है; इसलिए पिंजरा शब्द का आशय शरीर से है।

चरण 2: सभी विकल्पों की जाँच करें विकल्प (D) इस देह संबंधी प्रसंग से मेल खाता है। (A) जीवन एक व्यापक अवस्था है और (B)

संसार बाहरी जगत का बोध कराता है; दोनों नौ द्वारों वाले पिंजरे का अर्थ नहीं देते। (C) आत्मा पिंजरे में रहने वाली सत्ता से संबंधित अर्थ हो सकता है, पर स्वयं पिंजरा नहीं है। शरीर और उसमें रहने वाली सत्ता का अंतर बनाए रखना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष शरीर। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: रूपक में पात्र और उसके भीतर रहने वाले का अंतर रखें; नौ द्वारों का संबंध शरीर से है।

1(v). संख्याओं को शब्दों का पूर्वज क्यों कहा गया है ? [1 अंक]

(A) मनुष्य के साथ जन्म होने के कारण

(B) शब्दों को जन्म देने के कारण

(C) संख्याओं का जन्म शब्दों से पहले होने के कारण

(D) सभी संख्याओं का जन्म हो चुकने के कारण

सही उत्तर: (C) संख्याओं का जन्म शब्दों से पहले होने के कारण

हल:

अवधारणा:

- उत्तर केवल दिए गए पाठ के कथन और प्रसंग के आधार पर चुना जाता है।
- विकल्प में आए अतिरिक्त विचार को पाठ का प्रत्यक्ष अर्थ मानने से बचना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक आधार पहचानें कविता की शुरुआत में ही "शब्द तो आए बहुत बाद में कहा गया है। अंत में भी संख्याओं को शब्दों की पूर्वज कहकर यही बात दोहराई गई है। पूर्वज का आशय यहाँ पहले अस्तित्व में आने से है; इस प्रकार संख्याओं की शब्दों से प्राचीनता मुख्य आधार है।

चरण 2: सभी विकल्पों की जाँच करें (C) पहले आने के इसी कालक्रम को स्पष्ट करता है। (A) मनुष्य के साथ जन्म की बात है, पर शब्दों से तुलना का निर्णायक आधार नहीं बताता। (B) से ऐसा लगता है कि संख्याओं ने सीधे शब्दों को जन्म दिया, जो कविता का कथन नहीं है। (D) में सभी संख्याओं के आ जाने की बात सही प्रसंग से ली गई है, पर पूर्वज कहलाने का कारण उनका पहले आना है।

चरण 3: निष्कर्ष संख्याओं का जन्म शब्दों से पहले होने के कारण। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: पूर्वज के प्रश्न में "पहले और "बाद में का कालक्रम देखें, केवल संबंधित तथ्य न चुनें।

---

2. तकनीक की हर नई छलांग उत्साह भी पैदा करती है और चिंता भी लाती है। 'डीपमाइंड' और 'ओपनएआई' जैसी कंपनियों द्वारा बनाए गए नए स्मार्ट चैटबॉट्स ने लोगों का मन मोह लिया है। इनमें इंसानों की तरह सवालों के जवाब देने की क्षमता है। ये बारीकियों की व्याख्या कर सकते हैं, साथ ही, तथ्यों को विश्वास के साथ साझा भी कर सकते हैं। ये चैटबॉट नए नहीं हैं। इंसानों के संवाद करने में सक्षम कंप्यूटर प्रोग्राम या चैटबॉट्स की अवधारणा का 1950 के दशक से ही एक इतिहास रहा है। शुरुआती चैटबॉट्स में से एक एलिजा है, जिसे 1960 के दशक में कंप्यूटर वैज्ञानिक जोसेफ वीजेनबाम ने प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए बनाया था। यह कीवर्ड और वाक्यांशों का जवाब देकर सहज ढंग से संवाद कर सकता था। चैटजीपीटी को अभी तक का सबसे उन्नत चैटबॉट माना जा रहा है।

चैटजीपीटी को ओपनएआई द्वारा विकसित किया गया है। यह भाषा का एक मॉडल है, जो इंसानों की तरह ही प्रतिक्रिया करता है। कुछ चैटबॉट ज्यादा जटिल संवाद करने में भी सक्षम होते हैं और समय के साथ अपनी प्रतिक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करते हैं। अभी चैटजीपीटी सहित अधिकांश चैटबॉट्स अपने लिए सूचनाएँ एक विशाल, लेकिन एक सीमित दायरे से ही प्राप्त करते हैं। जैसे चैटजीपीटी का ताजा संस्करण 2021 के अंत तक संचित हुई सूचनाओं तक सीमित है। चैटबॉट अपनी प्रतिक्रिया में कहीं अधिक मुखर हैं और किसी जिज्ञासा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं जबकि ऐसा करना गूगल या बिंग के लिए मुश्किल है। हालाँकि, चैटजीपीटी की इंसानों जैसी प्रतिक्रिया में सूचना स्रोत का जिक्र नहीं होता और न ही कोई लिंक या उद्धरण दिया जाता है। इसके साथ आसान बातचीत ने दुनियाभर में धूम मचा दी है। उत्साही लोग तरह-तरह के सवाल पूछ रहे हैं। हर संवाद के साथ चैटबॉट का भी परीक्षण और प्रशिक्षण चल रहा है।

फिर भी एक चैटबॉट सब कुछ नहीं जानता, जबकि इसका इजहार या इसकी अभिव्यक्ति या लेखन इंसानों की तरह ही है। इसकी जानकारी गलत और दोषपूर्ण भी हो सकती है। इनको अभी भी कई बाधाओं या हदों को पार करना है, सूचनाओं को बढ़ाना है। कई भाषाओं के विकल्पों के साथ डिजिटल संचार पाठ से आवाज की ओर बढ़ रहा है। हर शब्द स्वरबद्ध होता जा रहा है। एलेक्सा जैसे सर्च इंजन और आवाज आधारित अन्य सहायकों से आगे जाने के लिए चैटबॉट्स को ज्यादा सूचनाओं की जरूरत पड़ेगी। लोगों की जिज्ञासाओं को शब्दों से ही नहीं स-स्वर शांत करना होगा।

स्पैरो चैटबॉट जीपीटी की तुलना में कुछ बेहतर है। जल्द ही गलत सवालों को पहचानने वाले चैटबॉट भी आ जाएँगे। अगर समझदारी से इस्तेमाल हुआ, तो चैटबॉट हमारे बहुत काम आएँगे। [10 अंक]

2(i). चैटबॉट्स से अभिप्राय है – [1 अंक]

(A) स्कूल में बच्चों को पढ़ाने वाली रोबोटिक मशीन

(B) अंतरिक्ष में छिपे रहस्यों का पता लगाने वाली मशीन

(C) ऐसी रोबोटिक मशीन जिससे मनुष्य बात कर सके

(D) ऐसी रोबोटिक मशीन जो मनुष्य का काम कर सके

सही उत्तर: (C) ऐसी रोबोटिक मशीन जिससे मनुष्य बात कर सके

हल:

अवधारणा:

- उत्तर केवल दिए गए पाठ के कथन और प्रसंग के आधार पर चुना जाता है।
- विकल्प में आए अतिरिक्त विचार को पाठ का प्रत्यक्ष अर्थ मानने से बचना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक आधार पहचानें गद्यांश में चैटबॉट्स को इंसानों से संवाद करने में सक्षम कंप्यूटर प्रोग्राम कहा गया है। उनके द्वारा सवालों के जवाब देने और सहज बातचीत करने की क्षमता भी बताई गई है। इसलिए दिए गए विकल्पों में वह कथन सही है जिसमें मनुष्य के उनसे बात कर सकने की विशेषता आती है।

चरण 2: सभी विकल्पों की जाँच करें (C) संवाद करने की प्रमुख विशेषता बताता है। (A) बच्चों को पढ़ाने तक अर्थ सीमित करता है और (B) अंतरिक्ष के रहस्यों की खोज से जोड़ता है; ऐसी परिभाषाएँ गद्यांश में नहीं हैं। (D) मनुष्य का काम करने का बहुत सामान्य कथन है, जिससे संवाद करने वाले विशिष्ट प्रोग्राम की पहचान नहीं होती।

चरण 3: निष्कर्ष ऐसी रोबोटिक मशीन जिससे मनुष्य बात कर सके। अत: सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: चैटबॉट का अर्थ चुनते समय गद्यांश में दिया संवाद करने वाला गुण देखें।

2(ii). चैटबॉट्स द्वारा लोगों का मन मोहने का कारण इनमें से नहीं है : [1 अंक]

(A) इंसानों से संवाद करना।

(B) विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी जानकारी प्रदान करना।

(C) तथ्यों को विश्वसनीय ढंग से प्रस्तुत करना।

(D) सूचना के स्रोतों की जानकारी प्रदान करना।

सही उत्तर: (D) सूचना के स्रोतों की जानकारी प्रदान करना।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर केवल दिए गए पाठ के कथन और प्रसंग के आधार पर चुना जाता है।
- विकल्प में आए अतिरिक्त विचार को पाठ का प्रत्यक्ष अर्थ मानने से बचना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक आधार पहचानें प्रश्न में "नहीं है पूछा गया है, इसलिए लोगों को आकर्षित करने वाला गुण नहीं, उससे अलग कथन चुनना है। गद्यांश स्पष्ट करता है कि चैटजीपीटी की प्रतिक्रिया में सूचना स्रोत का जिक्र नहीं होता और कोई लिंक या उद्धरण भी नहीं दिया जाता।

चरण 2: सभी विकल्पों की जाँच करें इसीलिए (D) मन मोहने का कारण नहीं हो सकता। (A) के संवाद करने की क्षमता का गद्यांश में समर्थन है। (B) विभिन्न जानकारियाँ देने और बारीकियाँ समझाने से जुड़ा है। (C) तथ्यों को विश्वास के साथ साझा करने का रूप है। इन तीनों में आकर्षण के बताए गुण आते हैं, जबकि स्रोतों की जानकारी देना यहाँ अनुपस्थित बताया गया है।

चरण 3: निष्कर्ष सूचना के स्रोतों की जानकारी प्रदान करना। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: "नहीं को पहले पहचानें और फिर स्रोत, लिंक तथा उद्धरण वाले वाक्य से विकल्प मिलाएँ।

2(iii). गूगल या बिंग की तुलना में चैटबॉट्स के अधिक प्रभावशाली होने का कारण है – [1 अंक]

(A) उपयोगकर्ता के साथ सहज ढंग से संवाद करना।

(B) प्रतिक्रिया में मुखर होना और जिज्ञासा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करना।

(C) छात्रों द्वारा अपना होमवर्क करने या निबंध लिखने में इसका प्रयोग करना।

(D) अपनी बात के समर्थन में सूचना स्रोत का उल्लेख करना।

सही उत्तर: (B) प्रतिक्रिया में मुखर होना और जिज्ञासा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करना।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर केवल दिए गए पाठ के कथन और प्रसंग के आधार पर चुना जाता है।
- विकल्प में आए अतिरिक्त विचार को पाठ का प्रत्यक्ष अर्थ मानने से बचना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक आधार पहचानें गद्यांश गूगल और बिंग से तुलना करते हुए कहता है कि चैटबॉट प्रतिक्रिया में कहीं अधिक मुखर हैं और किसी जिज्ञासा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं। इसके तुरंत बाद ऐसा करना गूगल या बिंग के लिए मुश्किल बताया गया है। अतः तुलना का विशिष्ट आधार यही दोनों गुण हैं।

चरण 2: सभी विकल्पों की जाँच करें विकल्प (B) उसी तुलना को सीधे व्यक्त करता है। (A) सहज संवाद का सामान्य गुण है, लेकिन तुलना वाले वाक्य का पूरा आधार नहीं देता। (C) में होमवर्क या निबंध लिखने का प्रयोग है, जिसका इस तुलना में उल्लेख नहीं है। (D) स्रोत का उल्लेख करने की बात कहता है, जबकि गद्यांश में स्रोत, लिंक और उद्धरण न देने की बात कही गई है।

चरण 3: निष्कर्ष प्रतिक्रिया में मुखर होना और जिज्ञासा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करना। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: तुलना वाले प्रश्न का उत्तर उसी वाक्य से चुनें जिसमें दोनों पक्षों का नाम आता हो।

2(iv). निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(I) चैटबॉट्स जटिल संवाद करने में सक्षम हैं।

(II) चैटबॉट्स का विकास मानव जीवन के एकाकीपन को दूर करने में सक्षम है।

(III) चैटबॉट्स मानव द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब अपने विवेक के आधार पर देता है।

(IV) भविष्य में चैटबॉट्स सही गलत को पहचानने में सक्षम होंगे।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही है/हैं ? [1 अंक]

(A) केवल कथन (I) सही है।

(B) केवल कथन (III) सही है।

(C) कथन (I) और (IV) सही हैं।

(D) कथन (II) और (III) सही हैं।

सही उत्तर: (C) कथन (I) और (IV) सही हैं।

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर में केवल पाठ के कथनों और उनसे निकलने वाले उचित निष्कर्ष का आधार लिया जाता है।
- विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्द और प्रत्यक्ष प्रमाण का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: पाठ का निर्णायक प्रमाण गद्यांश में स्पष्ट है कि कुछ चैटबॉट जटिल संवाद करने में सक्षम होते हैं। अंत में गलत सवाल पहचानने वाले भावी चैटबॉट्स का उल्लेख है। इसलिए कथन (I) वर्तमान क्षमता और कथन (IV) भविष्य की संभावना बताते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण कथन (II) में एकाकीपन दूर करने की बात गद्यांश में नहीं कही गई है। कथन (III) का अपने विवेक से उत्तर देने का दावा भी पाठ में नहीं है; चैटबॉट संचित सूचनाओं तथा मशीन लर्निंग पर निर्भर हैं। विकल्प (A) अधूरा है, क्योंकि (IV) भी सही है। विकल्प (B) और (D) अप्रमाणित कथनों पर आधारित हैं।

चरण 3: निष्कर्ष कथन (I) और (IV) सही हैं। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को पहचानिए, फिर उसके समर्थन में गद्यांश का स्पष्ट वाक्य खोजकर विकल्प चुनिए।

2(ix). निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : तकनीकी प्रगति उत्साह के साथ-साथ चिंता का कारण भी है।

कारण : यह जीवन को सरल बनाने के साथ जटिल बना रही है। [1 अंक]

(A) कथन सही है, कारण गलत है।

(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

सही उत्तर: (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

हल:

अवधारणा:

- कथन और कारण की सत्यता अलग-अलग जाँचने के बाद उनके बीच व्याख्यात्मक संबंध स्थापित किया जाता है।
- गद्यांश में तकनीक की उपयोगिता और उसकी सीमाएँ एक साथ सामने आती हैं।

चरण 1: कथन की जाँच गद्यांश का आरंभ ही तकनीक की हर नई छलांग से उत्साह और चिंता दोनों उत्पन्न होने की बात कहता है। इसलिए दिया गया कथन सही है।

चरण 2: कारण की जाँच चैटबॉट सहज संवाद करके और प्रश्नों का उत्तर देकर जीवन सरल बनाते हैं। दूसरी ओर गलत जानकारी, सीमित सूचना और स्रोतों का अभाव नई जटिलताएँ खड़ी करते हैं। इस प्रकार कारण भी पाठ के आशय के अनुसार सही है।

चरण 3: व्याख्यात्मक संबंध और विकल्प जीवन सरल बनाने वाली सुविधाएँ उत्साह पैदा करती हैं, जबकि जटिलताएँ चिंता उत्पन्न करती हैं। इसलिए कारण कथन की सही व्याख्या करता है। विकल्प (A) और (B) किसी एक को गलत बताते हैं, इसलिए अनुपयुक्त हैं। विकल्प (C) दोनों को सही मानकर भी उनका सीधा संबंध अस्वीकार करता है, इसलिए वह भी गलत है।

चरण 4: निष्कर्ष कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: पहले दोनों वाक्यों की सत्यता तय कीजिए; फिर देखिए कि कारण कथन में बताए उत्साह और चिंता दोनों को समझाता है या नहीं।

2(v). 'एक चैटबॉट सब कुछ नहीं जानता' – लेखक के इस कथन का कारण है – [1 अंक]

(A) चैटबॉट द्वारा कभी-कभी गलत और दोषपूर्ण जानकारी देना।

(B) चैटबॉट में संचित सूचनाओं का सीमित दायरे में होना।

(C) चैटबॉट का हर संवाद के साथ परीक्षण और प्रशिक्षण चलना।

(D) इंसानों जैसी प्रतिक्रिया में लिंक या उदाहरण न दे पाना।

सही उत्तर: (B) चैटबॉट में संचित सूचनाओं का सीमित दायरे में होना।

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर में केवल पाठ के कथनों और उनसे निकलने वाले उचित निष्कर्ष का आधार लिया जाता है।
- विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्द और प्रत्यक्ष प्रमाण का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: पाठ का निर्णायक प्रमाण लेखक कहता है कि चैटबॉट सूचनाएँ एक विशाल, लेकिन सीमित दायरे से प्राप्त करते हैं। जब उपलब्ध जानकारी सीमित है, तो हर विषय की पूरी जानकारी होना संभव नहीं है। यही सब कुछ न जानने का मूल कारण है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण विकल्प (A) में गलत जानकारी देना उसकी अपूर्णता का संभावित परिणाम है, मूल कारण नहीं। विकल्प (C) परीक्षण और प्रशिक्षण की प्रक्रिया बताता है। विकल्प (D) सूचना स्रोत या लिंक प्रस्तुत करने की सीमा बताता है; उससे जानकारी के समूचे दायरे का निर्धारण नहीं होता। इसलिए ये तीनों प्रश्न में पूछे गए कारण को उतनी सीधे स्पष्ट नहीं करते।

चरण 3: निष्कर्ष चैटबॉट में संचित सूचनाएँ सीमित दायरे में हैं। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को पहचानिए, फिर उसके समर्थन में गद्यांश का स्पष्ट वाक्य खोजकर विकल्प चुनिए।

2(vi). सबसे प्राचीन चैटबॉट का नाम है – [1 अंक]

(A) एलेक्सा

(B) एलिजा

(C) स्पैरो

(D) चैटजीपीटी

सही उत्तर: (B) एलिजा

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर में केवल पाठ के कथनों और उनसे निकलने वाले उचित निष्कर्ष का आधार लिया जाता है।
- विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्द और प्रत्यक्ष प्रमाण का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: पाठ का निर्णायक प्रमाण गद्यांश के अनुसार शुरुआती चैटबॉट्स में से एक एलिजा था। कंप्यूटर वैज्ञानिक जोसेफ वीजेनबाम ने उसे 1960 के दशक में बनाया था। प्रश्न में दिए नामों के बीच यही आरंभिक चैटबॉट है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण विकल्प (A) एलेक्सा का उल्लेख आवाज आधारित सहायक के प्रसंग में आता है। विकल्प (C) स्पैरो की चर्चा अपेक्षाकृत बेहतर चैटबॉट के रूप में है। विकल्प (D) चैटजीपीटी को सबसे उन्नत बताया गया है। उन्नत होना प्राचीन होना नहीं है। इन तीनों के लिए पाठ में एलिजा से पहले निर्माण का कोई प्रमाण नहीं दिया गया है।

चरण 3: निष्कर्ष सबसे प्राचीन उल्लिखित चैटबॉट एलिजा है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को पहचानिए, फिर उसके समर्थन में गद्यांश का स्पष्ट वाक्य खोजकर विकल्प चुनिए।

2(vii). चैटबॉट्स की सबसे बड़ी कमी है – [1 अंक]

(A) गलत सवालों को पहचानने की क्षमता का न होना।

(B) सूचनाओं का सीमित भंडार में होना।

(C) स्रोतों का हवाला देने की क्षमता का न होना।

(D) जानकारी के दोषपूर्ण होने की संभावना का होना।

सही उत्तर: (D) जानकारी के दोषपूर्ण होने की संभावना का होना।

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर में केवल पाठ के कथनों और उनसे निकलने वाले उचित निष्कर्ष का आधार लिया जाता है।
- विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्द और प्रत्यक्ष प्रमाण का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: पाठ का निर्णायक प्रमाण लेखक चेताता है कि चैटबॉट की जानकारी गलत और दोषपूर्ण भी हो सकती है। इंसानों जैसी आत्मविश्वासपूर्ण अभिव्यक्ति के बावजूद गलत सूचना मिलने की संभावना उसकी उपयोगिता और विश्वसनीयता पर सीधा प्रभाव डालती है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण विकल्प (A) में गलत सवाल पहचानने की सीमा है, जिसका भविष्य में समाधान संभव बताया गया है। विकल्प (B) सूचना भंडार की सीमा और विकल्प (C) स्रोत न देने की सीमा बताते हैं। ये भी कमियाँ हैं, लेकिन गलत जानकारी मिलने का खतरा उत्तर पर भरोसा करने को सीधे प्रभावित करता है। इसलिए प्रश्न में सबसे बड़ी कमी के लिए (D) अधिक उपयुक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष जानकारी के दोषपूर्ण होने की संभावना सबसे बड़ी कमी है। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को पहचानिए, फिर उसके समर्थन में गद्यांश का स्पष्ट वाक्य खोजकर विकल्प चुनिए।

2(viii). एलिजा चैटबॉट की रचना की गई थी – [1 अंक]

(A) प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण हेतु

(B) मनुष्यों से संवाद करने हेतु

(C) मानवीय कार्यों में मदद करने हेतु

(D) सूचनाओं के भंडार-संकलन हेतु

सही उत्तर: (A) प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण हेतु

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर में केवल पाठ के कथनों और उनसे निकलने वाले उचित निष्कर्ष का आधार लिया जाता है।
- विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्द और प्रत्यक्ष प्रमाण का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: पाठ का निर्णायक प्रमाण पाठ में बताया गया है कि जोसेफ वीजेनबाम ने एलिजा को प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए बनाया था। दिए विकल्पों में प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण इसी घोषित उद्देश्य से मेल खाता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण विकल्प (B) मनुष्यों से संवाद करना एलिजा की क्षमता बताता है; लेखक ने निर्माण के उद्देश्य के रूप में तकनीक का परीक्षण बताया है। विकल्प (C) मानवीय कार्यों में मदद और विकल्प (D) सूचनाओं का भंडार संकलन उसके निर्माण के उद्देश्य के रूप में गद्यांश में नहीं दिए गए हैं। उद्देश्य पूछे जाने पर प्रत्यक्ष रूप से कही गई बात चुनी जाएगी।

चरण 3: निष्कर्ष एलिजा की रचना प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण हेतु की गई थी। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को पहचानिए, फिर उसके समर्थन में गद्यांश का स्पष्ट वाक्य खोजकर विकल्प चुनिए।

2(x). 'डिजिटल दुनिया पाठ से आवाज की ओर बढ़ रही है' – पंक्ति से अभिप्राय है – [1 अंक]

(A) लिखित शब्दों का महत्त्व कम हो रहा है।

(B) इस दुनिया में स्वरबद्ध शब्दों का महत्त्व बढ़ रहा है।

(C) यह दुनिया केवल स-स्वर शब्दों से जुड़ रही है।

(D) यह दुनिया लिखित छोड़ केवल मौखिक की ओर बढ़ रही है।

सही उत्तर: (B) इस दुनिया में स्वरबद्ध शब्दों का महत्त्व बढ़ रहा है।

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर में केवल पाठ के कथनों और उनसे निकलने वाले उचित निष्कर्ष का आधार लिया जाता है।
- विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्द और प्रत्यक्ष प्रमाण का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: पाठ का निर्णायक प्रमाण पाठ में डिजिटल संचार के पाठ से आवाज की ओर बढ़ने के साथ हर शब्द के स्वरबद्ध होने का उल्लेख है। लेखक चाहता है कि चैटबॉट लोगों की जिज्ञासाओं को शब्दों के साथ सस्वर भी शांत करें। इससे ध्वनि आधारित संचार के बढ़ते महत्त्व का संकेत मिलता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण विकल्प (A) लिखित शब्दों का महत्त्व कम होने का निष्कर्ष जोड़ता है, जो आवश्यक नहीं है। विकल्प (C) और (D) में केवल शब्द है; इससे लिखित संचार के समाप्त होने का अर्थ निकलता है। गद्यांश ऐसा दावा नहीं करता। आवाज की सुविधा बढ़ने का मतलब लिखित संचार को पूरी तरह छोड़ना नहीं है। इसलिए (B) सबसे संतुलित अर्थ प्रस्तुत करता है।

चरण 3: निष्कर्ष डिजिटल दुनिया में स्वरबद्ध शब्दों का महत्त्व बढ़ रहा है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को पहचानिए, फिर उसके समर्थन में गद्यांश का स्पष्ट वाक्य खोजकर विकल्प चुनिए।

3. पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावतः ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था। रोने-पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया। बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना-उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया। इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए। 'हाय लछमिन अब आई' की अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गईं। पर वहाँ न पिता का चिहन शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था। दुख से शिथिल और अपमान से जलती हुई वह उस घर में पानी भी बिना पिए उलटे पैरों ससुराल लौट पड़ी। सास को खरी खोटी सुनाकर उसने विमाता पर आया हुआ क्रोध शांत किया और पति के ऊपर गहने फेंक-फेंककर उसने पिता के चिर बिछोह की मर्मव्यथा व्यक्त की। [5 अंक]

3(i). विमाता द्वारा भक्तिन के पास उसके पिता की मृत्यु का समाचार देर से पहुँचाने का कारण क्या नहीं है ? [1 अंक]

(A) पिता का उस पर अगाध प्रेम होना।

(B) संपत्ति उसके नाम किए जाने का भय होना।

(C) उसके रोने-पीटने से अपशकुन होना।

(D) मन ही मन भक्तिन से ईर्ष्या होना।

सही उत्तर: (C) उसके रोने-पीटने से अपशकुन होना।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार दिए गए गद्यांश या काव्यांश में वर्णित घटना और उसका भाव है।
- विकल्पों की तुलना में वही अर्थ स्वीकार करें जिसकी पुष्टि प्रसंग के स्पष्ट शब्दों और घटनाक्रम से होती है।

चरण 1: प्रश्न में नकारात्मक शब्द पहचानें यहाँ उस कारण को चुनना है जो विमाता द्वारा समाचार देर से भेजने का कारण नहीं है। गद्यांश में विमाता को ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क बताया गया है। पिता का भक्तिन पर अगाध प्रेम उसकी ईर्ष्या की पृष्ठभूमि है।

चरण 2: दोनों स्त्रियों के कारण अलग करें रोने-पीटने के अपशकुन से बचना सास का कारण था, विमाता का नहीं। इसलिए (C) चुना जाएगा। (A) पिता के प्रेम, (B) संपत्ति की चिंता और (D) भक्तिन से ईर्ष्या का संबंध विमाता के व्यवहार से है; अतः ये नकारात्मक प्रश्न के उत्तर नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (C) है: उसके रोने-पीटने से अपशकुन होना।

त्वरित सुझाव: नहीं वाले प्रश्न में संबंधित पात्र का कारण दूसरे पात्र के कारण से अलग करके देखें।

3(ii). 'पैरों के पंख गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए।' – पंक्ति का आशय है – [1 अंक]

(A) खुशी का समाप्त हो जाना

(B) थकावट का अनुभव हो जाना

(C) असलियत का पता लगना

(D) पैरों की गति शिथिल होना

सही उत्तर: (A) खुशी का समाप्त हो जाना

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार दिए गए गद्यांश या काव्यांश में वर्णित घटना और उसका भाव है।
- विकल्पों की तुलना में वही अर्थ स्वीकार करें जिसकी पुष्टि प्रसंग के स्पष्ट शब्दों और घटनाक्रम से होती है।

चरण 1: पहले भक्तिन की मनःस्थिति देखें सास ने भक्तिन को पहना-उढ़ाकर नैहर भेजा तो उसे अप्रत्याशित सुख मिला। पिता से मिलने की आशा ने उसे उत्साह से भर दिया। इसी खुशी और उत्साह के लिए पैरों में पंख लगने का बिंब आया है।

चरण 2: गाँव पहुँचने पर भाव में बदलाव समझें गाँववालों के दुखभरे स्वर और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ मिलते ही उसकी खुशी समाप्त हो गई। अतः (A) सटीक भावार्थ है। (B) शारीरिक थकान का उल्लेख नहीं है। (C) वास्तविकता जानने की ओर संकेत करता है, किंतु बिंब का मुख्य आशय आनंद का नष्ट होना है। (D) केवल गति का शाब्दिक अर्थ लेता है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (A) है: खुशी का समाप्त हो जाना।

त्वरित सुझाव: पंख लगना और पंख झड़ना को प्रसंग की खुशी तथा निराशा से जोड़कर भावार्थ निकालें।

3(iii). 'हाय लछमिन अब आई' – गाँववालों द्वारा कहे गए ये शब्द प्रकट करते हैं – [1 अंक]

(A) उसके प्रति सहानुभूति

(B) उसके प्रति ममता

(C) उसके प्रति दुख

(D) उसके प्रति उपहास

सही उत्तर: (A) उसके प्रति सहानुभूति

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार दिए गए गद्यांश या काव्यांश में वर्णित घटना और उसका भाव है।
- विकल्पों की तुलना में वही अर्थ स्वीकार करें जिसकी पुष्टि प्रसंग के स्पष्ट शब्दों और घटनाक्रम से होती है।

चरण 1: गद्यांश का स्पष्ट संकेत पढ़ें गाँववाले कहते हैं कि लछमिन अब आई है। उनके स्वर में पिता की मृत्यु के बाद पहुँची बेटी की दशा के प्रति संवेदना है। लेखिका ने उनकी दृष्टियों को स्पष्ट रूप से सहानुभूतिपूर्ण कहा है।

चरण 2: विकल्पों की तुलना करें इस प्रत्यक्ष संकेत के आधार पर (A) सही है। (B) ममता विशेष स्नेह का भाव है, जिसका यहाँ अलग उल्लेख नहीं है। (C) दुख निकट भाव अवश्य है, लेकिन भक्तिन की स्थिति को समझकर जताई संवेदना का सटीक नाम सहानुभूति है। (D) उपहास का कोई संकेत नहीं; लोगों का व्यवहार संवेदनापूर्ण है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (A) है: उसके प्रति सहानुभूति।

त्वरित सुझाव: जब गद्यांश स्वयं भावसूचक विशेषण दे, उसी शब्द को विकल्प चुनने का निर्णायक आधार बनाएँ।

3(iv). गद्यांश में प्रयुक्त 'अप्रत्याशित अनुग्रह' क्या था ? [1 अंक]

(A) सास द्वारा भक्तिन का साज-शृंगार कर पिता के घर विदा करना।

(B) सास द्वारा भक्तिन को नैहर जाने के लिए कहना।

(C) विमाता द्वारा भक्तिन के लिए बुलावा भेजना।

(D) सास का भक्तिन के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना।

सही उत्तर: (A) सास द्वारा भक्तिन का साज-शृंगार कर पिता के घर विदा करना।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार दिए गए गद्यांश या काव्यांश में वर्णित घटना और उसका भाव है।
- विकल्पों की तुलना में वही अर्थ स्वीकार करें जिसकी पुष्टि प्रसंग के स्पष्ट शब्दों और घटनाक्रम से होती है।

चरण 1: अनुग्रह से पहले की घटना पहचानें सास ने कहा कि बहुत दिन से नैहर नहीं गई है, इसलिए जाकर देख आए। इसके बाद उसने भक्तिन को पहना-उढ़ाकर विदा किया। भक्तिन को इस तरह नैहर भेजे जाने की आशा नहीं थी, इसलिए यह व्यवहार उसे अप्रत्याशित अनुग्रह लगा।

चरण 2: सबसे पूर्ण विकल्प चुनें (A) में साज-शृंगार और पिता के घर विदाई, दोनों बातें आती हैं। (B) केवल जाने के लिए कहने तक सीमित है और पूरी घटना नहीं बताता। (C) में विमाता का बुलावा है, जबकि अनुग्रह सास के विदा करने से जुड़ा है। (D) सामान्य प्रेमपूर्ण व्यवहार कहता है, पर विशिष्ट घटना नहीं बताता।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (A) है: सास द्वारा भक्तिन का साज-शृंगार कर पिता के घर विदा करना।

त्वरित सुझाव: ऐसे पदबंध का अर्थ खोजते समय उसके ठीक पहले वर्णित पूरी क्रिया को पढ़ें।

3(v). निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए : [1 अंक]

(A) दुखी अपमानित भक्तिन उलटे पैरों ससुराल लौट आई।

(B) उसका सत्कार करने वाला पूरे गाँव में कोई नहीं था।

(C) विमाता पर आया क्रोध उसने पति पर गहने फेंककर शांत किया।

(D) सास को भला-बुरा कहकर उसने पिता की मृत्यु का दुख शांत किया।

सही उत्तर: (A) दुखी अपमानित भक्तिन उलटे पैरों ससुराल लौट आई।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार दिए गए गद्यांश या काव्यांश में वर्णित घटना और उसका भाव है।
- विकल्पों की तुलना में वही अर्थ स्वीकार करें जिसकी पुष्टि प्रसंग के स्पष्ट शब्दों और घटनाक्रम से होती है।

चरण 1: वापस लौटने का प्रत्यक्ष कथन देखें गद्यांश में भक्तिन को दुख से शिथिल और अपमान से जलती हुई बताया गया है। वह पिता के घर पानी पिए बिना उलटे पैरों ससुराल लौटती है। इसलिए (A) गद्यांश के कथन का सीधा और सही रूप है।

चरण 2: अन्य कथनों की त्रुटि पहचानें (B) गलत है, क्योंकि गाँववालों ने सहानुभूति दिखाई; पूरे गाँव में किसी के सत्कार न करने का कथन नहीं है। (C) गलत है: विमाता का क्रोध सास को खरी-खोटी सुनाकर शांत किया गया। (D) भी भावों को उलटता है; पिता के चिर बिछोह की व्यथा पति पर गहने फेंककर व्यक्त हुई थी।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (A) है: दुखी अपमानित भक्तिन उलटे पैरों ससुराल लौट आई।

त्वरित सुझाव: क्रोध और शोक की प्रतिक्रियाएँ किस व्यक्ति के सामने व्यक्त हुईं, उनका अलग-अलग मिलान करें।

---

4. हरषि राम भेटेउ हनुमाना। अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना।।
तुरत बैद तब कीन्हि उपाई। उठि बैठे लछिमन हरषाई।।
हृदयँ लाइ प्रभु भेंटेउ भ्राता। हरषे सकल भालु कपि ब्राता।।
कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा। जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा।।
यह बृत्तांत दसानन सुनेऊ। अति बिषाद पुनि पुनि सिर धुनेऊ।।
ब्याकुल कुंभकरन पहिं आवा। बिबिध जतन करि ताहि जगावा।। [5 अंक]

4(i). राम ने हनुमान के प्रति कृतज्ञता क्यों प्रकट की ? [1 अंक]

(A) सीता का पता लगाने के कारण
(B) समय पर संजीवनी बूटी लाने के कारण
(C) अपने स्वभाव की विनम्रता के कारण
(D) वैद्य को लंका से लाने के कारण

सही उत्तर: (B) समय पर संजीवनी बूटी लाने के कारण

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार दिए गए गद्यांश या काव्यांश में वर्णित घटना और उसका भाव है।
- विकल्पों की तुलना में वही अर्थ स्वीकार करें जिसकी पुष्टि प्रसंग के स्पष्ट शब्दों और घटनाक्रम से होती है।

चरण 1: कृतज्ञता का तत्काल प्रसंग समझें राम हर्षित होकर हनुमान से मिलते हैं। इसके तुरंत बाद वैद्य उपाय करता है और लक्ष्मण उठ बैठते हैं। यह क्रम बताता है कि हनुमान का समय पर जीवनरक्षक औषधि लाना राम की कृतज्ञता का मुख्य कारण है।

चरण 2: दिए गए विकल्पों का परीक्षण करें (B) संजीवनी बूटी समय पर लाने का सही कारण बताता है। (A) सीता का पता लगाना दूसरे प्रसंग की घटना है। (C) राम के स्वभाव का गुण है, इस अवसर पर आभार का विशिष्ट कारण नहीं। (D) वैद्य को लाना सहायक घटना है, पर इस समय राम का विशेष हर्ष लक्ष्मण के प्राण बचाने वाली औषधि पहुँचने से है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (B) है: समय पर संजीवनी बूटी लाने के कारण।

त्वरित सुझाव: कृतज्ञता का कारण चुनते समय काव्यांश की तत्काल घटना और उसके परिणाम को जोड़ें।

4(ii). भालू और कपि समूह की प्रसन्नता का कारण था – [1 अंक]

(A) राम का हनुमान को गले लगाना।
(B) हनुमान का सुषैन वैद्य को लाना।
(C) हनुमान का संजीवनी बूटी लाना।
(D) लक्ष्मण का स्वस्थ होना।

सही उत्तर: (D) लक्ष्मण का स्वस्थ होना।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार दिए गए गद्यांश या काव्यांश में वर्णित घटना और उसका भाव है।
- विकल्पों की तुलना में वही अर्थ स्वीकार करें जिसकी पुष्टि प्रसंग के स्पष्ट शब्दों और घटनाक्रम से होती है।

चरण 1: घटनाओं का क्रम पढ़ें वैद्य के उपचार से लक्ष्मण प्रसन्न होकर उठ बैठते हैं। राम अपने भाई को हृदय से लगा लेते हैं। इसी के बाद सभी भालू और वानर समूह के हर्षित होने का वर्णन है। इसलिए सामूहिक खुशी का मूल कारण लक्ष्मण का स्वस्थ होना है।

चरण 2: कारण और सहायक घटनाएँ अलग करें (D) इस निर्णायक परिणाम को बताता है। (A) राम का हनुमान को गले लगाना पहले की घटना है। (B) वैद्य को लाना और (C) संजीवनी लाना उपचार के साधन हैं। इनके कारण उपचार संभव हुआ, पर पूरी सेना की प्रसन्नता का प्रत्यक्ष अवसर लक्ष्मण का चेतना में लौटकर स्वस्थ होना है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (D) है: लक्ष्मण का स्वस्थ होना।

त्वरित सुझाव: सामूहिक हर्ष का कारण जानने के लिए हर्ष के उल्लेख से ठीक पहले घटा निर्णायक परिणाम देखें।

4(iii). रावण द्वारा कौन-सा वृत्तांत सुना गया ? [1 अंक]

(A) लक्ष्मण के मूर्च्छित होने का

(B) राम के समुद्र पार आने का

(C) हनुमान द्वारा वैद्य ले जाने का

(D) लक्ष्मण की मूर्च्छा भंग होने का

सही उत्तर: (D) लक्ष्मण की मूर्च्छा भंग होने का

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार दिए गए गद्यांश या काव्यांश में वर्णित घटना और उसका भाव है।
- विकल्पों की तुलना में वही अर्थ स्वीकार करें जिसकी पुष्टि प्रसंग के स्पष्ट शब्दों और घटनाक्रम से होती है।

चरण 1: यह वृत्तांत का पूर्वसंदर्भ देखें काव्यांश में पहले लक्ष्मण के उठ बैठने, राम द्वारा उन्हें गले लगाने और वानर-भालुओं के आनंदित होने का वर्णन है। इसके बाद रावण के यह वृत्तांत सुनने और दुखी होने की बात आती है। इसलिए वृत्तांत लक्ष्मण के फिर चेतना में आने का है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का प्रसंग जाँचें (D) मूर्च्छा भंग होने की घटना बताता है। (A) लक्ष्मण के मूर्च्छित होने का पूर्वप्रसंग है, जिसे सुनकर इस समय रावण दुखी नहीं होता। (B) समुद्र पार आने की घटना यहाँ वर्णित नहीं है। (C) वैद्य ले जाना सहायक क्रिया है; रावण के विषाद का निर्णायक कारण लक्ष्मण का बच जाना है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (D) है: लक्ष्मण की मूर्च्छा भंग होने का।

त्वरित सुझाव: यह वृत्तांत जैसे संकेत के लिए पिछली मुख्य घटना खोजें और अगले पात्र की प्रतिक्रिया से पुष्टि करें।

4(iv). निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : दुखी रावण बार-बार सिर धुन कर पछता रहा था।

कारण : विजय की आशाओं पर पानी फिरता दिख रहा था। [1 अंक]

(A) कथन सही है, कारण गलत है।

(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

सही उत्तर: (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार संबंधित पाठ का प्रसंग और प्रश्न में दिया गया आशय है।
- विकल्प का चयन करते समय कारण, घटना और उद्देश्य के बीच सही संबंध पहचानना आवश्यक है।

चरण 1: कथन की जाँच पद्यांश में स्पष्ट है कि यह वृत्तांत सुनकर दशानन अत्यंत दुखी हुआ और बार-बार सिर धुनने लगा। इसलिए कथन सही है।

चरण 2: कारण की जाँच लक्ष्मण के स्वस्थ होने से राम की सेना में फिर उत्साह आ गया। रावण को अपनी विजय की आशा टूटती दिखाई दी। अतः कारण भी सही है।

चरण 3: संबंध समझना विजय की आशा टूटना ही रावण के विषाद और पछतावे का कारण है। दोनों के सही होने पर भी संबंध न मानने वाला विकल्प (C) अनुचित है; (A) और (B) क्रमशः कारण तथा कथन को गलत बताते हैं।

चरण 4: निष्कर्ष कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: लक्ष्मण का स्वस्थ होना रामदल के लिए हर्ष और रावण के लिए विषाद है; इसी उलटे प्रभाव से कारण का संबंध पहचानें।

4(v). व्याकुल रावण कुंभकरण के पास क्यों गया होगा ? [1 अंक]

(A) अपना दुख बाँटने

(B) युद्ध में सहायता पाने

(C) युद्ध में हुई हानि का वर्णन करने

(D) राम की सेना द्वारा किए जाने वाले विनाश का वर्णन करने

सही उत्तर: (B) युद्ध में सहायता पाने

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार संबंधित पाठ का प्रसंग और प्रश्न में दिया गया आशय है।
- विकल्प का चयन करते समय कारण, घटना और उद्देश्य के बीच सही संबंध पहचानना आवश्यक है।

चरण 1: प्रसंग पहचानना लक्ष्मण को स्वस्थ देखकर राम और उनकी सेना प्रसन्न हो उठे। यह समाचार सुनकर रावण की विजय की आशा को आघात पहुँचा और वह व्याकुल हो गया।

चरण 2: उद्देश्य का निर्णय इस युद्धसंकट में उसे शक्तिशाली कुंभकरण की सहायता चाहिए थी। इसी उद्देश्य से वह उसके पास गया और अनेक प्रयत्न करके उसे जगाया। केवल दुख बाँटना (A), हानि सुनाना (C) या विनाश का वर्णन करना (D) उसे जगाने का मुख्य उद्देश्य नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष रावण कुंभकरण से युद्ध में सहायता पाने के लिए गया था। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: कुंभकरण को अनेक प्रयत्न करके जगाने की बात को युद्धसंकट से जोड़ें; केवल दुख सुनाना मुख्य उद्देश्य नहीं है।

5(i). किशनदा की तरह घर-गृहस्थी का बबाल न पालकर जीवन समाज के नाम समर्पित करने की भावना यशोधर बाबू के मन में क्यों आती थी ? [1 अंक]

(A) पत्नी-बच्चों से मतभेद होने के कारण

(B) घर-गृहस्थी के जंजाल से थकने के कारण

(C) जीवन का मर्म समझ में आने के कारण

(D) परिवार से मोह भंग हो जाने के कारण

सही उत्तर: (A) पत्नी-बच्चों से मतभेद होने के कारण

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार संबंधित पाठ का प्रसंग और प्रश्न में दिया गया आशय है।
- विकल्प का चयन करते समय कारण, घटना और उद्देश्य के बीच सही संबंध पहचानना आवश्यक है।

चरण 1: पारिवारिक स्थिति समझना यशोधर बाबू की जीवनदृष्टि पर किशनदा के सादे और सेवाभावी जीवन का प्रभाव था। उनके पत्नी-बच्चों के विचार और आधुनिक जीवनशैली उनके अपने संस्कारों से मेल नहीं खाते थे।

चरण 2: विकल्पों की तुलना परिवार में वैचारिक मतभेद होते तो उन्हें लगता कि किशनदा की तरह गृहस्थी न बसाकर समाज को जीवन देना अच्छा होता। यह केवल काम के जंजाल से थकना (B), जीवन का कोई अंतिम मर्म समझ लेना (C) या परिवार से पूर्ण मोहभंग (D) नहीं था।

चरण 3: निष्कर्ष पत्नी-बच्चों से मतभेद होने के कारण ऐसी भावना आती थी। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: किशनदा का आदर्श और पत्नी-बच्चों से विचारों का टकराव साथ याद रखें; पूर्ण मोहभंग का निष्कर्ष न निकालें।

5(ii). यशोधर बाबू ने डी.डी.ए. के फ़्लैट के लिए पैसा क्यों जमा नहीं किया था ? [1 अंक]

(A) वह रिटायरमेंट के बाद गाँव में बसना चाहते थे।

(B) उन्हें तीनों में किसी एक लड़के का सरकारी नौकरी में आने का विश्वास था।

(C) उनके पास फ़्लैट बुक कराने के लिए पैसे नहीं थे।

(D) वे योजनाबद्ध तरीके से काम नहीं करते थे।

सही उत्तर: (B) उन्हें तीनों में किसी एक लड़के का सरकारी नौकरी में आने का विश्वास था।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार संबंधित पाठ का प्रसंग और प्रश्न में दिया गया आशय है।
- विकल्प का चयन करते समय कारण, घटना और उद्देश्य के बीच सही संबंध पहचानना आवश्यक है।

चरण 1: निर्णय का आधार पहचानना यशोधर बाबू सरकारी आवास की व्यवस्था से परिचित थे। उन्हें विश्वास था कि उनके तीनों बेटों में से कोई एक सरकारी नौकरी में अवश्य आएगा और आगे भी रहने की व्यवस्था बनी रहेगी।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच इसी भरोसे उन्होंने डी.डी.ए. का फ़्लैट लेने के लिए पैसा जमा नहीं किया। गाँव में बसना (A) या धन

का अभाव (C) इस निर्णय का दिया गया कारण नहीं है। योजनाबद्ध न होने का सामान्य आरोप (D) पाठ में बताए गए विशिष्ट विश्वास का स्थान नहीं ले सकता।

चरण 3: निष्कर्ष उन्हें तीनों में से किसी एक लड़के के सरकारी नौकरी में आने का विश्वास था। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: डी.डी.ए. का फ़्लैट न लेने को बेटों की सरकारी नौकरी के भरोसे से जोड़ें, गाँव लौटने की कल्पना से नहीं।

5(iii). किशनदा कभी-कभी इस अनुरोध की रक्षा कर देते। – इस वाक्य में किस 'अनुरोध की रक्षा' की बात हो रही है ? [1 अंक]

(A) यशोधर बाबू को सुबह जल्दी उठाने की

(B) यशोधर बाबू को सुबह देर से उठाने की

(C) यशोधर बाबू के घर चाय-पीने की

(D) यशोधर बाबू के साथ सैर पर जाने की

सही उत्तर: (C) यशोधर बाबू के घर चाय-पीने की

हल:

अवधारणा:

- सिल्वर वैडिंग में किशनदा का यशोधर बाबू के प्रति स्नेह उनके घर आकर हाल पूछने में प्रकट होता है।
- अनुरोध की रक्षा करने का अर्थ चाय पीने के आग्रह को स्वीकार करना है।

चरण 1: अनुरोध का संदर्भ किशनदा सुबह सैर से लौटते हुए यशोधर बाबू के क्वार्टर में झाँकते और उनका हाल पूछते थे। यशोधर बाबू को उनका यह स्नेह अच्छा लगता था। वे उनसे अपने घर चाय पीकर जाने का अनुरोध करते थे।

चरण 2: वाक्य का अर्थ और विकल्प किशनदा कभी-कभी उनके घर चाय पीने के लिए रुक जाते थे। इसी आग्रह को मानने को अनुरोध की रक्षा कहा गया है। जल्दी उठाने (A) की बात किशनदा की पुरानी आदत से जुड़ी है, इस विशेष अनुरोध से नहीं। देर से उठाने (B) और साथ सैर पर जाने (D) का अर्थ भी यहाँ उपयुक्त नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष यह अनुरोध यशोधर बाबू के घर चाय पीने का था। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: अनुरोध से ठीक पहले घर पर चाय पीने का आग्रह याद करें; सुबह जगाना इस वाक्य का संदर्भ नहीं है।

5(iv). निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प को चुनकर लिखिए :
कथन : यदि ईख को और कुछ दिन खेत में खड़ी रहने दिया जाए तो गुड़ जरा ज्यादा निकलता है।
कारण : देर तक खेत में खड़ी रहने वाली ईख में पानी की मात्रा कम होती है और रस गाढ़ा हो जाता है। [1 अंक]

(A) कथन सही है, कारण गलत है।

(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

सही उत्तर: (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार संबंधित पाठ का प्रसंग और प्रश्न में दिया गया आशय है।

- विकल्प का चयन करते समय कारण, घटना और उद्देश्य के बीच सही संबंध पहचानना आवश्यक है।

चरण 1: कथन का मूल्यांकन ईख को कुछ दिन और खेत में खड़ा रखने से उससे बनने वाले गुड़ की मात्रा बढ़ने की बात कही गई है। यह कथन प्रसंग के अनुसार सही है।

चरण 2: कारण का मूल्यांकन देर तक खड़ी ईख में पानी की मात्रा कम होती है और उसका रस अधिक गाढ़ा हो जाता है। इसलिए दिया गया कारण भी सही है।

चरण 3: व्याख्या का संबंध रस में पानी का अनुपात कम होने से गुड़ बनने के लिए उपयोगी गाढ़े अंश का अनुपात बढ़ता है। यही कथन में बताए परिणाम को समझाता है। (A) कारण और (B) कथन को गलत कहते हैं; (C) दोनों के बीच स्पष्ट संबंध को नकारता है।

चरण 4: निष्कर्ष कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: पानी कम होना, रस गाढ़ा होना और अधिक गुड़ बनना एक कारण-श्रृंखला है; इसी से कथन-कारण का संबंध जाँचें।

5(ix). निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है ? [1 अंक]

(A) बौद्ध स्तूप – पुराना लैंडस्केप

(B) गढ़ – महंतों की समाधियाँ

(C) महाकुंड – सामूहिक स्नान का अंग

(D) ग्रिडशैली – आड़ी-सीधी सड़कें

सही उत्तर: (B) गढ़ – महंतों की समाधियाँ

हल:

अवधारणा:

- उत्तर का आधार संबंधित पाठ का प्रसंग और प्रश्न में दिया गया आशय है।
- विकल्प का चयन करते समय कारण, घटना और उद्देश्य के बीच सही संबंध पहचानना आवश्यक है।

चरण 1: सही युग्मों की जाँच बौद्ध स्तूप का उल्लेख पुराने लैंडस्केप के संदर्भ में है। महाकुंड सामूहिक स्नान की व्यवस्था का अंग है और ग्रिडशैली में सड़कें एक-दूसरे को काटते हुए नियोजित ढंग से बनाई जाती हैं। इसलिए (A), (C) और (D) सुमेलित हैं।

चरण 2: असुमेलित युग्म पहचानना गढ़ ऊँचे चबूतरे पर बने विशिष्ट परिसर और वहाँ के निर्माणों से जुड़ा है। उसे महंतों की समाधियों का नाम देना पाठ के विवरण के अनुरूप नहीं है। प्रश्न गलत सुमेलित युग्म पूछता है, इसलिए सही विवरण वाले अन्य युग्मों को उत्तर नहीं चुनना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष सही सुमेलित नहीं होने वाला युग्म गढ़ – महंतों की समाधियाँ है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: प्रश्न में नहीं शब्द पर ध्यान दें; गढ़ को ऊँचे परिसर से पहचानें और महंतों की समाधियों वाला युग्म हटाएँ।

5(v). 'अब तू बता, मैं का करूँ ?' – कथन से आनंदा के माँ के चरित्र की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है ? [1 अंक]

(A) दुर्बलता

(B) परवशता

(C) अक्षमता

(D) विवशता

सही उत्तर: (D) विवशता

हल:

अवधारणा:

- पात्र की मनोदशा का निर्णय उसके कथन और पारिवारिक परिस्थिति को जोड़कर किया जाता है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रसंग से मेल खाने वाले सटीक अर्थ को प्राथमिकता दी जाती है।

चरण 1: प्रसंग और मुख्य संकेत माँ आनंदा की पढ़ने की इच्छा समझती है, पर पिता के कठोर व्यवहार और घर की परिस्थितियों के सामने स्वयं निर्णय लागू नहीं कर पाती। उसका प्रश्न सहायता करने की इच्छा रहते हुए कोई उपाय न सूझने को व्यक्त करता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच दुर्बलता सामान्य कमजोरी है और अक्षमता किसी कार्य को करने की योग्यता का अभाव है। यहाँ माँ की योग्यता का प्रश्न नहीं है। परवशता दूसरे के अधीन होने को बताती है, किंतु इस कथन में विशेष रूप से परिस्थितियों के सामने निरुपाय होने का भाव प्रमुख है।

चरण 3: निष्कर्ष माँ के चरित्र की विवशता प्रकट होती है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: कथन में इच्छा होते हुए उपाय न मिलने का भाव खोजें; इससे विवशता की पहचान होती है।

5(vi). कक्षा की बेंच पर बैठे आनंदा की तुलना किससे की गई है ? [1 अंक]

(A) खेती के काम से सुस्ताते पेड़ के नीचे बैठे लड़के से

(B) लड़कों की मार से घायल कौए के बच्चे से

(C) बस अड्डे पर पोटली सँभाले बस की प्रतीक्षा करते लड़के से

(D) रेलवे स्टेशन पर गाड़ी की प्रतीक्षा करने वाले लड़के से

सही उत्तर: (C) बस अड्डे पर पोटली सँभाले बस की प्रतीक्षा करते लड़के से

हल:

अवधारणा:

- साहित्यिक तुलना में बाहरी स्थिति के साथ पात्र की भीतरी अनुभूति भी देखी जाती है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रसंग से मेल खाने वाले सटीक अर्थ को प्राथमिकता दी जाती है।

चरण 1: प्रसंग और मुख्य संकेत कक्षा की बेंच पर बैठा आनंदा अपने आसपास के वातावरण में सहज नहीं हो पाता। उसकी बैठने की स्थिति की तुलना बस अड्डे पर अपनी पोटली सँभाले बस की प्रतीक्षा कर रहे लड़के से की गई है। इस तुलना में उसका अलग-थलग, संकोचपूर्ण और असहज ढंग से बैठना उभरता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच खेत के काम से सुस्ताते लड़के में विश्राम का भाव है और रेलवे स्टेशन वाला विकल्प पाठ में दी गई तुलना नहीं है। कौए के बच्चे का बिंब पाठ में दूसरे प्रसंग में, सहपाठियों के उपहास से मिली पीड़ा बताने के लिए आता है। इसलिए उसे बेंच पर बैठने की इस विशिष्ट तुलना से नहीं मिलाना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष आनंदा की तुलना बस अड्डे पर पोटली सँभाले बस की प्रतीक्षा करते लड़के से की गई है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: बेंच पर बैठने की तुलना को बाद में आए कौए के बच्चे के बिंब से अलग रखें; यहाँ पोटली सँभाले लड़के को चुनें।

5(vii). 'मेरी ही पाठशाला मुझे चोंच मार-मार कर घायल कर रही थी।' – इस पंक्ति का आशय है – [1 अंक]

(A) पाठशाला में आनंदा की खिल्ली उड़ाई जा रही थी।

(B) पाठशाला में उसकी पिटाई की जा रही थी।

(C) पाठशाला में उसे कटु वचन कहे जा रहे थे।

(D) पाठशाला में उसे दण्डित किया जा रहा था।

सही उत्तर: (A) पाठशाला में आनंदा की खिल्ली उड़ाई जा रही थी।

हल:

अवधारणा:

- लाक्षणिक कथन में शब्दों के शाब्दिक अर्थ के स्थान पर प्रसंग में निहित भाव समझना आवश्यक है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रसंग से मेल खाने वाले सटीक अर्थ को प्राथमिकता दी जाती है।

चरण 1: प्रसंग और मुख्य संकेत आनंदा पढ़ने की आकांक्षा लेकर पाठशाला आता है। सहपाठियों के उपहास से उसे उसी स्थान पर मानसिक पीड़ा मिलती है जहाँ वह सहारा और अपनापन चाहता है। चोंच मारने का बिंब इस उपहास से होने वाली चोट को व्यक्त करता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (B) वास्तविक पिटाई और (D) औपचारिक दंड की बात करता है, जबकि कथन उनका वर्णन नहीं है। विकल्प (C) कटु वचनों का सामान्य अर्थ देता है; प्रसंग का अधिक सटीक आशय आनंदा का मजाक उड़ाया जाना है, जिसे (A) सीधे व्यक्त करता है।

चरण 3: निष्कर्ष पाठशाला में आनंदा की खिल्ली उड़ाई जा रही थी। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: चोंच मारने को वास्तविक शारीरिक क्रिया न समझें; सहपाठियों के उपहास से जुड़ी मानसिक चोट पहचानें।

5(viii). 'महाकुंड' के विषय में निम्नलिखित में कौन-सा कथन असत्य है ? [1 अंक]

(A) कुंड के पानी के बंदोबस्त के लिए एक तरफ कुआँ है।

(B) महाकुंड के चारों तरफ साधुओं के कक्ष बने हुए हैं।

(C) कुंड से पानी की निकासी के लिए पक्की ईंटों से बनी नालियाँ हैं।

(D) कुंड से पानी के रिसाव को रोकने के लिए तल और दीवारों पर चिनाई की गई है।

सही उत्तर: (B) महाकुंड के चारों तरफ साधुओं के कक्ष बने हुए हैं।

हल:

अवधारणा:

- असत्य कथन वाले प्रश्न में पाठ में वर्णित निर्माण और उसके अनुमानित उपयोग में अंतर किया जाता है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रसंग से मेल खाने वाले सटीक अर्थ को प्राथमिकता दी जाती है।

चरण 1: प्रसंग और मुख्य संकेत महाकुंड के आसपास बने कक्षों को स्नान से संबंधित कक्षों के रूप में समझा जाता है। उन्हें साधुओं के निवास के कक्ष बताना पाठ के वर्णन से पुष्ट नहीं होता। इसलिए साधुओं के कक्ष वाला कथन जाँच का मुख्य बिंदु है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच पानी के प्रबंध के लिए कुआँ, निकासी के लिए पक्की ईंटों की नालियाँ और रिसाव रोकने वाली तल तथा दीवारों की चिनाई महाकुंड की सुविचारित निर्माण व्यवस्था के अंग हैं। इसलिए (A), (C) और (D) सत्य विवरण हैं और असत्य कथन के उत्तर नहीं हो सकते।

चरण 3: निष्कर्ष महाकुंड के चारों तरफ साधुओं के कक्ष बने होने का कथन असत्य है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के असत्य शब्द पर ध्यान दें; जलप्रबंधन संबंधी तीन पुष्ट विवरण हटाकर अप्रमाणित पहचान चुनें।

5(x). मुअनजो-दड़ो के मिले अवशेषों में अपने मूल स्वरूप के नजदीक बचे निर्माण के रूप में है – [1 अंक]

(A) महाकुंड

(B) गढ़

(C) बौद्ध स्तूप

(D) उपासना केंद्र

सही उत्तर: (A) महाकुंड

हल:

अवधारणा:

- पुरातात्त्विक वर्णन में निर्माण के मूल स्वरूप के निकट बचे रहने और केवल अवशेष मिलने में अंतर है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रसंग से मेल खाने वाले सटीक अर्थ को प्राथमिकता दी जाती है।

चरण 1: प्रसंग और मुख्य संकेत लेख में महाकुंड की बनावट और जलव्यवस्था का स्पष्ट विवरण मिलता है। उसकी संरचना आज भी मूल रूप का पर्याप्त परिचय देती है। इसीलिए मुअनजो-दड़ो के अवशेषों में मूल स्वरूप के नजदीक बचे निर्माण के रूप में महाकुंड पहचाना जाता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच गढ़ व्यापक ऊँचे क्षेत्र का नाम है; प्रश्न किसी क्षेत्र की पहचान नहीं पूछता। बौद्ध स्तूप और उपासना केंद्र को यहाँ इस विशेष कथन का आधार नहीं बनाया गया है। अतः (B), (C) और (D) के स्थान पर पाठ में निर्दिष्ट महाकुंड ही उचित उत्तर है।

चरण 3: निष्कर्ष मूल स्वरूप के नजदीक बचा निर्माण महाकुंड है। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: मूल स्वरूप शब्दों को महाकुंड के सुरक्षित स्थापत्य से जोड़ें; केवल प्रसिद्ध स्थल देखकर विकल्प न चुनें।

6(i). प्रो. गुप्ता की लेखन में विशेष रुचि है, कॉलेज की पत्रिका के लिए वह लेख लिखते हैं। अब वह समाचार-पत्रों में अपना हाथ माँजना चाहते हैं। उन्हें किस शीर्षक के अंतर्गत अपने लेख भेजने चाहिए ? [1 अंक]

(A) संपादक के नाम पत्र

(B) संपादकीय

(C) स्तंभ लेखन

(D) प्रतिवेदन

सही उत्तर: (A) संपादक के नाम पत्र

हल:

अवधारणा:

- समाचार-पत्र में प्रवेश के इच्छुक नए लेखक के लिए उपयुक्त लेखन मंच की पहचान की जाती है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रसंग से मेल खाने वाले सटीक अर्थ को प्राथमिकता दी जाती है।

चरण 1: प्रसंग और मुख्य संकेत प्रो. गुप्ता कॉलेज की पत्रिका में लिखते हैं, किंतु समाचार-पत्रों के लिए लेखन का अभ्यास आरंभ करना चाहते हैं। संपादक के नाम पत्र पाठकों को अपने विचार और प्रतिक्रियाएँ भेजने का अवसर देता है। इस मंच से संक्षिप्त, स्पष्ट और सार्वजनिक महत्त्व के विषयों पर लिखने का अभ्यास मिलता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच संपादकीय समाचार-पत्र की संपादकीय नीति और दृष्टिकोण से जुड़ा होता है। स्तंभ लेखन नियमित और विशिष्ट लेखन का रूप है। प्रतिवेदन किसी घटना या गतिविधि का व्यवस्थित विवरण है। ये विकल्प नए लेखक के हाथ माँजने के लिए बताए गए आरंभिक मंच को व्यक्त नहीं करते।

चरण 3: निष्कर्ष उन्हें संपादक के नाम पत्र शीर्षक के अंतर्गत अपनी रचनाएँ भेजनी चाहिए। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: हाथ माँजना को लेखन-अभ्यास की शुरुआत समझें; पाठकों के लिए खुले संपादक के नाम पत्र से इसे जोड़ें।

6(ii). जनसंचार के अन्य माध्यमों की तुलना में इंटरनेट पत्रकारिता के तेजी से लोकप्रिय होने के कारण हैं – [1 अंक]

(A) पढ़ने, सुनने और देखने की सुविधा का मिलना।

(B) खबरों का तीव्र गति से पहुँचना।

(C) सूचनाओं के विशाल भंडार का होना।

(D) खबरों के संप्रेषण और पुष्टि के लिए बैकग्राउंड तैयार कराने में सहायक होना।

सही उत्तर: (A) पढ़ने, सुनने और देखने की सुविधा का मिलना।

हल:

अवधारणा:

- इंटरनेट पत्रकारिता की विशिष्ट लोकप्रियता उसके बहुमाध्यमी स्वरूप से समझी जाती है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रसंग से मेल खाने वाले सटीक अर्थ को प्राथमिकता दी जाती है।

चरण 1: प्रसंग और मुख्य संकेत इंटरनेट पर पाठ, ध्वनि और दृश्य सामग्री एक ही माध्यम में उपलब्ध हो सकती है। पाठक समाचार पढ़ सकता है, उससे जुड़ा ध्वनि विवरण सुन सकता है और वीडियो देख सकता है। पढ़ने, सुनने और देखने की संयुक्त सुविधा अन्य माध्यमों की तुलना में इसकी विशेष आकर्षक क्षमता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच तीव्र गति से समाचार पहुँचाना और सूचनाओं का विशाल भंडार होना भी इंटरनेट के उपयोगी गुण हैं, किंतु प्रश्न में माध्यमों की तुलना का सबसे सीधा आधार संयुक्त सुविधा है। खबरों के संप्रेषण और पुष्टि के लिए पृष्ठभूमि तैयार करना पत्रकार के कार्य में सहायता है; वह पाठक की बहुमाध्यमी सुविधा जैसा प्रत्यक्ष कारण नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष पढ़ने, सुनने और देखने की सुविधा मिलने के कारण इंटरनेट पत्रकारिता तेजी से लोकप्रिय हुई है। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: अन्य माध्यमों से तुलना में एक साथ उपलब्ध पाठ, ध्वनि और दृश्य की सुविधा को निर्णायक संकेत मानें।

6(iii). पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए पत्रकारों द्वारा अपनाए जाने वाले विभिन्न रूप कहलाते हैं – [1 अंक]

(A) समाचार लेखन

(B) विचारपरक लेखन

(C) साहित्यिक लेखन

(D) पत्रकारीय लेखन

सही उत्तर: (D) पत्रकारीय लेखन

हल:

अवधारणा:

- समाचार माध्यमों में जनता तक सूचना पहुँचाने के लिए प्रयुक्त विविध लेखन रूपों का व्यापक नाम पत्रकारीय लेखन है।
- समाचार, फीचर, आलेख और साक्षात्कार जैसे रूप पत्रकारिता के अलग-अलग प्रयोजन पूरे करते हैं।

चरण 1: परिभाषा के संकेत पहचानें प्रश्न में पाठक, दर्शक और श्रोता तीनों का उल्लेख है। इसलिए इसका आशय किसी एक माध्यम या समाचार की एक विधा तक सीमित नहीं है। पत्रकार जिन विविध रूपों में सूचना प्रस्तुत करते हैं, उनका समावेशी नाम पत्रकारीय लेखन है।

चरण 2: अन्य विकल्पों से भेद करें (A) समाचार लेखन इस व्यापक क्षेत्र का केवल एक रूप है। (B) विचारपरक लेखन में विचार और विश्लेषण प्रधान होते हैं; वह सभी सूचनात्मक रूपों का नाम नहीं है। (C) साहित्यिक लेखन का उद्देश्य और क्षेत्र अलग है। (D) विविध पत्रकारिता रूपों को समेटता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (D) पत्रकारीय लेखन है।

त्वरित सुझाव: प्रश्न में सभी माध्यमों और विभिन्न रूपों का उल्लेख हो तो व्यापक श्रेणी पहचानें।

6(iv). साक्षात्कार को किस रूप में लिखा जा सकता है ? [1 अंक]

(A) सवाल जवाब के रूप में

(B) आलेख के रूप में

(C) और (B) दोनों रूप में

(D) और (B) दोनों रूपों में से कोई नहीं

सही उत्तर: (C) और (B) दोनों रूप में

हल:

अवधारणा:

- साक्षात्कार में किसी व्यक्ति से बातचीत द्वारा उसके विचार और अनुभव सामने लाए जाते हैं।
- इस बातचीत को सीधे प्रश्नोत्तर शैली में या आलेख के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

चरण 1: दोनों प्रस्तुति शैलियाँ समझें सवाल-जवाब शैली में पत्रकार के प्रश्न और साक्षात्कार देने वाले व्यक्ति के उत्तर क्रम से लिखे जाते हैं। आलेख शैली में उसी बातचीत के विचारों को परिचय, वर्णन और आवश्यक कथनों के साथ प्रवाहपूर्ण लेख के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

चरण 2: विकल्पों की जाँच करें (A) एक मान्य रूप बताता है, पर अकेले उससे उत्तर पूरा नहीं होता। (B) भी मान्य है, पर वह दूसरा रूप छोड़ देता है। (C) दोनों रूपों को स्वीकार करता है, इसलिए उपयुक्त है। (D) दोनों को अस्वीकार करता है, इसलिए गलत है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है; साक्षात्कार सवाल-जवाब और आलेख दोनों रूपों में लिखा जा सकता है।

त्वरित सुझाव: साक्षात्कार की सामग्री और उसकी प्रस्तुति अलग हैं; एक ही बातचीत दोनों शैलियों में लिखी जा सकती है।

6(v). पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-माना रूप क्या होता है ? [1 अंक]

(A) फीचर

(B) समाचार

(C) स्तंभ

(D) आलेख

सही उत्तर: (B) समाचार

हल:

अवधारणा:

- समाचार किसी समसामयिक और महत्त्वपूर्ण घटना की तथ्यपरक जानकारी देता है।
- पत्रकारीय लेखन में अनेक विधाएँ हैं, जिनमें समाचार सबसे जाना-माना रूप है।

चरण 1: पत्रकारिता के मुख्य परिचित रूप को पहचानें अखबार, रेडियो, टेलीविजन और अन्य समाचार माध्यमों से लोग घटनाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं। इस नियमित सूचनात्मक प्रस्तुति को समाचार कहते हैं। व्यापक जनसंपर्क और रोजमर्रा के उपयोग के कारण समाचार पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-माना रूप है।

चरण 2: दूसरे रूपों का स्थान स्पष्ट करें (A) फीचर किसी विषय को रोचक और विस्तारपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करता है। (C) स्तंभ नियमित

स्थान पर प्रकाशित लेखन है। (D) आलेख में विषय की विवेचना और विश्लेषण होता है। ये सभी पत्रकारिता के रूप हैं, किंतु पूछी गई सबसे प्रसिद्ध विधा समाचार है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (B) समाचार है।

त्वरित सुझाव: सबसे जाना-माना रूप पूछे जाने पर घटनाओं की नियमित तथ्यपरक सूचना देने वाली विधा चुनें।

7(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :
'बात सीधी थी पर' कविता से ली गई पंक्ति 'जोर जबरदस्ती से बात की चूड़ी मर गई' – का आशय स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कुँवर नारायण की कविता सहज कथ्य और स्वाभाविक भाषा के संबंध को स्पष्ट करती है।
- चूड़ी मरने का बिंब पेंच कसने में अत्यधिक बल लगाने से उसकी पकड़ नष्ट हो जाने की स्थिति से लिया गया है।

चरण 1: बिंब और प्रसंग समझें कवि अपनी सीधी बात को प्रभावशाली बनाने के प्रयास में भाषा के साथ अनावश्यक उलझाव पैदा करता है। जिस प्रकार पेंच को अत्यधिक कसने पर उसकी चूड़ी घिस जाती है और वह पकड़ खो देता है, उसी प्रकार अभिव्यक्ति पर बलपूर्वक किया गया प्रयोग उसकी संप्रेषणीयता समाप्त कर देता है। यहाँ बात का बिगड़ना भाषा के अस्वाभाविक प्रयोग का परिणाम है। कविता में कथ्य की सरलता के विपरीत भाषा को पेचीदा बनाने की कोशिश दिखाई गई है। कवि का संकेत है कि शब्द अर्थ तक पहुँचने का साधन हैं। केवल शब्दों के चमत्कार में उलझने से अनुभव की सच्चाई पाठक तक नहीं पहुँचती। इसीलिए अभिव्यक्ति को कथ्य के अनुकूल रखना आवश्यक है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर इस पंक्ति में बात को पेंच के समान माना गया है। पेंच को जबरदस्ती कसने से उसकी चूड़ी घिस जाती है और पकड़ नष्ट हो जाती है। इसी प्रकार सरल बात को चमत्कारी भाषा में कहने की जिद उसे उलझा देती है। उसका मूल अर्थ और प्रभाव खो जाता है। कवि सहज अभिव्यक्ति के स्थान पर अनावश्यक भाषाई आडंबर अपनाने की निरर्थकता बताता है।

चरण 3: निष्कर्ष पंक्ति का आशय है कि भाषा पर अनावश्यक जोर देने से सीधी बात का अर्थ, सहजता और प्रभाव नष्ट हो जाते हैं।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पेंच की पकड़ नष्ट होने और बात की संप्रेषणीयता खोने के बीच संबंध स्पष्ट करें।

7(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :
'हम दूरदर्शन पर बोलेंगे, हम समर्थ शक्तिवान' – 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता से ली गई इन पंक्तियों में निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रघुवीर सहाय की कविता दृश्य माध्यमों द्वारा पीड़ा के प्रदर्शन और संवेदनहीनता पर व्यंग्य करती है।
- समर्थ और शक्तिवान होने का दावा माध्यम के प्रभाव तथा प्रस्तोता के अहंकार को उजागर करता है।

चरण 1: वक्ता के शक्ति-बोध का संदर्भ पंक्तियों में दूरदर्शन के कार्यक्रम से जुड़े लोगों का स्वर है। वे अपने माध्यम की पहुँच और प्रभाव के कारण स्वयं को समर्थ मानते हैं। अपाहिज व्यक्ति उनके सामने कमजोर स्थिति में है। वे उसकी असुविधा और भावनाओं के प्रति संवेदनशील होने के बजाय उससे अपने कार्यक्रम के लिए अनुकूल प्रतिक्रिया प्राप्त करना चाहते हैं। इस असमान संबंध में मानवीय करुणा पीछे छूट जाती है। यहाँ समर्थ होने का दावा सकारात्मक आदर्श नहीं है। वह दूसरों की विवशता का उपयोग करने वाली मानसिकता का उद्घाटन करता है। पाठक इस कथन में शक्ति और संवेदना के बीच की दूरी पहचानता है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर इन पंक्तियों में दूरदर्शनकर्मियों के शक्ति-अहंकार पर व्यंग्य है। व्यापक पहुँच वाले माध्यम पर बोलने के कारण वे स्वयं को समर्थ समझते हैं और अपाहिज व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार प्रस्तुत करना चाहते हैं। उसकी पीड़ा उनके लिए संवेदना का विषय नहीं, कार्यक्रम को प्रभावशाली बनाने की सामग्री है। कवि संचार माध्यमों की इस अमानवीयता, प्रदर्शनप्रियता और कमजोर व्यक्ति के शोषण को उजागर करता है।

चरण 3: निष्कर्ष यह व्यंग्य माध्यम की शक्ति पर इतराने वालों की संवेदनहीनता और पीड़ित व्यक्ति को प्रदर्शन की वस्तु बनाने की प्रवृत्ति पर है।

त्वरित सुझाव: समर्थ शब्द को प्रशंसा न मानें; उसे अपाहिज व्यक्ति की विवशता के सामने रखकर व्यंग्य स्पष्ट करें।

7(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :
'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर कवि-कर्म और कृषि-कर्म में समानता और विविधता का उल्लेख अपने शब्दों में कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचना और खेती की प्रक्रिया में बीज, विकास और फल की समानता है।
- कृषक भूमि में बीज बोता है; कवि कागज पर अनुभूति और विचार का बीज बोता है।

चरण 1: प्रसंग और अर्थ की पहचान कविता में कागज को खेत और विचार को बीज मानने का आधार समझें। अनुभूति के किसी क्षण में विचार जन्म लेता है। कल्पना उसे रूप देती है और शब्दों के अंकुर विकसित होते हैं। इसी प्रकार किसान के बोए बीज से पौधा बढ़कर फसल बनता है। दोनों कर्मों में सृजन, धैर्य और विकास की प्रक्रिया समान है। किसान की मेहनत जैसे पौधे को पोषण देती है, वैसे ही कवि की साधना अनुभव को सुसंगठित शब्दों में ढालती है।

चरण 2: भौतिक और साहित्यिक फसल का अंतर खेत की फसल काटने और उपभोग करने पर समाप्त हो जाती है तथा उसे उगाने का निश्चित मौसम होता है। साहित्य की फसल पाठकों को बार-बार आनंद देती है। उसे जितना पढ़ा और बाँटा जाता है, उसका रस उतना ही फैलता है। कवि के अनुसार रचना की कटाई का कोई निश्चित क्षण नहीं है; उसका आनंद अक्षय रहता है।

चरण 3: निर्धारित शब्द-सीमा में उत्तर कृषक भूमि में बीज बोकर फसल उगाता है; कवि कागज के खेत में विचार का बीज बोता है। कल्पना से शब्दों के अंकुर फूटते और रचना विकसित होती है। दोनों सृजन करते हैं। अंतर यह है कि कृषि की फसल उपभोग से समाप्त होती है, जबकि कविता की रस-फसल बार-बार पढ़ने पर भी नहीं चुकती और आनंद देती रहती है।

चरण 4: निष्कर्ष अत: दोनों कर्म सृजनशील हैं; कविता की रस-फसल उपभोग से समाप्त नहीं होती।

त्वरित सुझाव: समानता में बीज से फसल तक की प्रक्रिया और विविधता में रस की अक्षयता अवश्य लिखें।

8(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :
'बगुलों के पंख' कविता में 'हौले-हौले जाती मुझे बाँध निज माया से' – पंक्ति का क्या अभिप्राय है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- प्राकृतिक सौंदर्य का प्रभाव दर्शक को तन्मय कर देता है।
- आकाश में उड़ती बगुलों की पंक्ति कवि के मन को आकर्षित करती है।

चरण 1: प्रसंग और अर्थ की पहचान काले बादलों के बीच उड़ते श्वेत बगुलों की पंक्ति सुंदर दृश्य रचती है। रंगों का यह मेल और पक्षियों की सहज उड़ान कवि के लिए मोहक हैं। यहाँ माया का अर्थ छल-कपट नहीं, प्राकृतिक सौंदर्य का आकर्षण है। कवि किसी वास्तविक

बंधन की बात नहीं कह रहा है।

चरण 2: धीरे-धीरे बढ़ती तन्मयता हौले-हौले शब्दों से आकर्षण की कोमलता और उसके क्रमशः गहरे होने का भाव व्यक्त होता है। दृश्य का सौंदर्य कवि की दृष्टि को अपने में रोक लेता है। वह उस मनोहर दृश्य से अलग नहीं होना चाहता। उत्तर में दृश्य और उसके मन पर प्रभाव, दोनों का संबंध स्पष्ट होना चाहिए।

चरण 3: निर्धारित शब्द-सीमा में उत्तर काले बादलों के बीच उड़ते उजले बगुलों की सुंदर पंक्ति कवि को मोह लेती है। उसका सौंदर्य धीरे-धीरे कवि के मन को अपने आकर्षण में बाँध लेता है। कवि उस मनोहारी दृश्य में तन्मय होकर उसे लगातार निहारना चाहता है।

चरण 4: निष्कर्ष अतः पंक्ति कवि पर प्राकृतिक सौंदर्य के कोमल और गहरे सम्मोहन को व्यक्त करती है।

त्वरित सुझाव: माया को सौंदर्य का सम्मोहन और बंधन को मन की तन्मयता के रूप में स्पष्ट करें।

8(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :
'बादल राग' शीर्षक कविता में बादलों को 'जीवन का पारावार' क्यों कहा गया है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- वर्षा जल से धरती, वनस्पति और कृषि को नया जीवन मिलता है।
- पारावार यहाँ जीवन की अपार निधि या विशाल सागर का बोध कराता है।

चरण 1: प्रसंग और अर्थ की पहचान बादलों से बरसने वाला जल सूखी धरती की प्यास बुझाता है। उसके कारण बीज अंकुरित होते हैं और खेतों में फसल उगती है। अन्न तथा हरियाली का यह आधार समस्त जीव-जगत के पोषण से जुड़ा है। इसलिए बादल केवल सुंदर दृश्य नहीं, जीवन को बनाए रखने वाली शक्ति हैं।

चरण 2: किसान की आशा से संबंध कविता में पीड़ित किसान बादल को पुकारता है। वर्षा उसके लिए उपज, आजीविका और नए उत्साह का संदेश लाती है। जीवन का पारावार कहना इसी अपार जीवनदायी क्षमता को व्यक्त करता है। इस प्रश्न का उत्तर बादल की जलदायी तथा पोषणकारी भूमिका पर केंद्रित होना चाहिए।

चरण 3: निर्धारित शब्द-सीमा में उत्तर बादल वर्षा करके सूखी धरती को सींचते हैं। उनसे बीज अंकुरित होते, फसलें लहलहाती और जीव-जगत को अन्न-जल मिलता है। वे किसान के जीवन में आशा और उत्साह जगाते हैं। इस अपार जीवनदायी शक्ति के कारण उन्हें जीवन का पारावार कहा गया है।

चरण 4: निष्कर्ष अतः बादल अपार जीवनदायी वर्षा और नवजीवन के स्रोत हैं।

त्वरित सुझाव: पारावार का अर्थ अपार भंडार समझकर वर्षा, फसल और किसान की आशा को जोड़ें।

8(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :
'पतंग' कविता में 'डाल की तरह लचीले वेग' – से कवि का क्या आशय है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- उपमा के माध्यम से बच्चों की गतिशीलता और शारीरिक लोच व्यक्त होती है।
- कवि बच्चों की तेज, लचक भरी गति की तुलना डाल से करता है।

चरण 1: प्रसंग और अर्थ की पहचान डाल हवा के साथ झुकती और लहराती है। उसमें कठोरता के स्थान पर लोच होती है। उसी तरह पतंग उड़ाने वाले बच्चे उत्साह में भागते, झुकते, उछलते और अपनी देह की दिशा बदलते हैं। इस तुलना में उनके शरीर की सहज फुर्ती

और ऊर्जा मुख्य हैं।

चरण 2: प्रसंग के अनुसार अर्थ ग्रहण करें पतंग के साथ बच्चों की उमंग भी ऊँचाई छूती है। वे खेल में पूरी तरह डूबकर छतों पर साहसपूर्वक दौड़ते हैं। डाल की तरह लचीला वेग उनकी गति को जीवंत बनाता है। इसका आशय शरीर के सचमुच डाल बन जाने से नहीं, उसकी चंचलता और लचक से है।

चरण 3: निर्धारित शब्द-सीमा में उत्तर इस कथन से बच्चों की तेज, फुर्तीली और लचक भरी गति का बोध होता है। पतंग उड़ाते समय वे उत्साह से दौड़ते, उछलते और झुकते हैं। हवा में लहराती डाल की तरह उनके शरीर में सहज लोच और भरपूर ऊर्जा दिखाई देती है।

चरण 4: निष्कर्ष अतः यह उपमा बच्चों की फुर्ती, लचक और उमंग को प्रकट करती है।

त्वरित सुझाव: उपमा में डाल का गुण लचक है; उसे बच्चों की दौड़, उछाल और उमंग से जोड़ें।

9(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

'काले मेघा पानी दे' पाठ के कथन 'काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं ?' का आशय स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- धर्मवीर भारती के पाठ में वर्षा, पानी और प्यास के बिंब सामाजिक जीवन की विडंबना व्यक्त करते हैं।
- प्रचुर साधन उपलब्ध होना और उनका जनसाधारण तक पहुँचना दो अलग स्थितियाँ हैं।

चरण 1: प्रतीकों का अर्थ समझिए काले बादलों का उमड़ना और झमाझम वर्षा होना देश में संसाधनों, विकास-योजनाओं तथा सहायता की उपलब्धता का संकेत है। फूटी गगरी में पानी ठहर नहीं सकता। इसी प्रकार वितरण-व्यवस्था दोषपूर्ण हो तो पर्याप्त साधनों का लाभ भी जरूरतमंदों तक नहीं पहुँचता। बैलों का प्यासा रहना श्रमशील, अभावग्रस्त जन की अधूरी आवश्यकताओं को व्यक्त करता है।

इस अभिव्यक्ति में पानी की कमी से अधिक उपलब्ध पानी के व्यर्थ बह जाने पर ध्यान है। वर्षा का होना मात्र समृद्धि की गारंटी नहीं है। यदि पानी सँभालने वाला पात्र टूटा हो, तो वर्षा का प्रयोजन पूरा नहीं होता। इसी तरह व्यवस्था की कमियाँ दूर किए बिना योजनाओं की संख्या बढ़ाने से जनता के अभाव समाप्त नहीं होते।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर इस कथन में देश की दोषपूर्ण व्यवस्था पर व्यंग्य है। संसाधनों और विकास-योजनाओं की प्रचुरता के बावजूद उनका लाभ जरूरतमंदों तक नहीं पहुँचता। फूटी गगरी भ्रष्ट तथा अव्यवस्थित वितरण-तंत्र का प्रतीक है और प्यासे बैल श्रमशील, वंचित जनता के। इसलिए साधनों की वर्षा होते हुए भी सामान्य लोगों की मूल आवश्यकताएँ अधूरी रह जाती हैं।

चरण 3: निष्कर्ष कथन संसाधनों की उपलब्धता के साथ उनके न्यायपूर्ण वितरण की आवश्यकता स्पष्ट करता है।

त्वरित सुझाव: पहले वर्षा, फूटी गगरी और प्यासे बैलों के प्रतीक खोलें, फिर व्यवस्था की विडंबना बताएं।

9(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

'शिरीष के फूल' पाठ से ली गई पंक्ति 'ऐसे दुमदारों से तो लँडूरे भले' का आशय स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक ने ऐसा किस संदर्भ में कहा है ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- हजारीप्रसाद द्विवेदी शिरीष के पुराने फलों के माध्यम से पुराने अधिकार छोड़ने को तैयार न होने वालों पर व्यंग्य करते हैं।
- कथन में बाहरी प्रतिष्ठा से अधिक समयानुकूल परिवर्तन स्वीकार करने की क्षमता का महत्त्व है।

चरण 1: कथन का प्रसंग शिरीष पर नए फूल-पत्ते आ जाने पर भी उसके पुराने फल पेड़ पर खड़खड़ाते हुए लटके रहते हैं। वे अपनी जगह छोड़ने को तैयार नहीं होते; नए फलों के आने पर ही उन्हें हटना पड़ता है। लेखक को उनमें उन लोगों का रूप दिखाई देता है जो समय बदल जाने पर भी पुराने पद और अधिकारों से चिपके रहते हैं।

यहाँ दुमदार होने का आशय किसी सार्थक उपलब्धि से नहीं, बल्कि निष्प्रयोज्य हो चुकी प्रतिष्ठा के प्रदर्शन से है। पुराने फल अपनी उपयोगिता खोकर भी स्थान घेरते हैं। इसलिए यह उक्ति नई पीढ़ी के लिए स्थान छोड़ने तथा बदलती परिस्थितियों को पहचानने की सीख देती है। व्यंग्य का लक्ष्य प्रकृति नहीं, मनुष्य की जड़ मानसिकता है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर शिरीष के पुराने फल नए फूल-पत्तों के निकल आने पर भी पेड़ पर जमे रहते हैं। लेखक ने इसी संदर्भ में यह कथन कहा है। वे उन पदलोलुप व्यक्तियों पर व्यंग्य करते हैं जो समय बदलने पर भी अधिकार नहीं छोड़ते। ऐसी निष्फल प्रतिष्ठा ढोने वालों से वे साधारण लोग अच्छे हैं, जो जड़ता से मुक्त होकर परिवर्तन स्वीकार करते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष लेखक ने पुराने शिरीष-फलों के बहाने अधिकार और प्रतिष्ठा से चिपके रहने की प्रवृत्ति को लक्ष्य किया है।

त्वरित सुझाव: इस पंक्ति का उत्तर लिखते समय पुराने शिरीष-फलों का प्रसंग और पद-मोह का व्यंग्य दोनों जोड़ें।

9(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

'पहलवान की ढोलक' पाठ में मलेरिया और हैज़े से पीड़ित गाँव की दयनीय स्थिति को चित्रित किया गया है। वर्तमान समय में क्या इस स्थिति में कुछ सुधार आया है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी महामारी से त्रस्त ग्रामीण जीवन तथा चिकित्सा-सुविधाओं के अभाव का चित्र प्रस्तुत करती है।
- तर्कपूर्ण उत्तर में पाठ की स्थिति, आज का सुधार और शेष समस्या के बीच संबंध स्पष्ट करना आवश्यक है।

चरण 1: तुलना का आधार कहानी में मलेरिया और हैज़े ने गाँव को मृत्यु, भय और असहायता से भर दिया है। गरीबी, अस्वच्छता और इलाज के साधनों का अभाव लोगों की विवशता बढ़ाते हैं। वर्तमान स्थिति की तुलना इसी आधार पर करनी चाहिए कि रोगों की रोकथाम, शुद्ध पेयजल, समय पर पहचान और उपचार की उपलब्धता कितनी बढ़ी है। सुधार स्वीकार करते हुए उसकी सीमाएँ भी बताना संतुलित दृष्टि है।

ढोलक की आवाज दुखी लोगों को मानसिक सहारा देती है, लेकिन वह चिकित्सा का स्थान नहीं ले सकती। इसीलिए तुलना में केवल लोगों का साहस नहीं, उपचार और रोकथाम की वास्तविक सुविधाएँ देखनी चाहिए। सुविधाओं की असमान उपलब्धता के कारण प्रत्येक गाँव की स्थिति समान रूप से सुधरी हुई मानना उचित नहीं होगा।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर कहानी के गाँव की तुलना में आज स्थिति में सुधार आया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, दवाओं, टीकाकरण, स्वच्छता तथा सुरक्षित पेयजल के प्रयासों से रोगों की रोकथाम और उपचार संभव हुए हैं। फिर भी दूरस्थ गाँवों में चिकित्सकों, दवाओं और साफ पानी की कमी बनी हुई है। अतः सुधार हुआ है, पर सबको समय पर उपचार दिलाने के लिए और प्रयास आवश्यक हैं।

चरण 3: निष्कर्ष चिकित्सा और स्वच्छता की सुविधाएँ बढ़ी हैं, किंतु ग्रामीण स्वास्थ्य की असमानताएँ पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।

त्वरित सुझाव: तुलना में पाठ का अभाव, आज की सुविधा और बची हुई चुनौती का एक-एक स्पष्ट उदाहरण दें।

10(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :
'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए कि बाज़ार में कौन-सा चुंबकीय जादू होता है ? कारण सहित अपने शब्दों में लिखिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- जैनेंद्र कुमार बाजार के आकर्षण को मनुष्य की इच्छाओं तथा मन के खालीपन से जोड़ते हैं।
- वस्तु की वास्तविक जरूरत और सजावट से उपजी खरीदने की इच्छा में अंतर करना पाठ का केंद्रीय संकेत है।

चरण 1: आकर्षण का कारण बाज़ार में सजी सुंदर वस्तुएँ और चमक-दमक ग्राहक का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं। जब मन में आवश्यकताओं की स्पष्ट पहचान नहीं होती, तब हर आकर्षक वस्तु उपयोगी लगने लगती है। व्यक्ति खरीदने की इच्छा को जरूरत समझ बैठता है और अनावश्यक वस्तुओं पर भी धन खर्च करता है। इसी प्रभाव को लेखक चुंबकीय जादू कहते हैं।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर बाज़ार की चमक-दमक और आकर्षक वस्तुओं में ग्राहक को अपनी ओर खींचने का चुंबकीय जादू होता है। मन खाली होने तथा जरूरत स्पष्ट न होने पर व्यक्ति इस आकर्षण में फँसकर अनावश्यक वस्तुएँ भी खरीद लेता है और धन व्यर्थ खर्च करता है।

चरण 3: निष्कर्ष बाज़ार का चुंबकीय जादू उसकी सजावट और वस्तुओं से उत्पन्न वह आकर्षण है जो अनावश्यक खरीद को बढ़ाता है।

त्वरित सुझाव: जादू का अर्थ केवल सुंदर सजावट न लिखें; उससे पैदा होने वाली अनावश्यक खरीद का कारण भी जोड़ें।

10(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :
'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि मनुष्य को पेशा बदलने की आवश्यकता क्यों पड़ती है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पेशा चुनने और बदलने की स्वतंत्रता व्यक्ति की जीविका तथा समाज की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है।
- उद्योग और उत्पादन की परिस्थितियाँ बदलने पर पुराने व्यवसाय में काम मिलना बंद हो सकता है।

चरण 1: परिस्थितियों का संबंध समझें आंबेडकर के तर्क में व्यवसाय कोई सदा स्थिर रहने वाली व्यवस्था नहीं है। उद्योग की तकनीक, उत्पादन और काम की माँग में परिवर्तन होते रहते हैं। इसलिए जिस काम से पहले जीविका चलती थी, वही काम बाद में पर्याप्त रोजगार नहीं दे पाता। व्यक्ति की रुचि और क्षमता के अनुरूप दूसरा काम चुनने की स्वतंत्रता भी आवश्यक है। जाति के आधार पर पेशा बाँध देना इस परिवर्तन को रोकता है और बेरोजगारी का कारण बन सकता है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर उद्योग और उत्पादन की परिस्थितियाँ बदलने से पुराने पेशे में रोजगार मिलना बंद हो सकता है। बेरोजगारी और भूख से बचने तथा जीविका चलाने के लिए मनुष्य को नया पेशा अपनाना पड़ता है। इसलिए आंबेडकर पेशा बदलने की स्वतंत्रता आवश्यक मानते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष पेशा बदलने की आवश्यकता बदलती आर्थिक परिस्थितियों और जीविका की सुरक्षा से उत्पन्न होती है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में उद्योगों का परिवर्तन, बेरोजगारी और जीविका की आवश्यकता को कारण-परिणाम के क्रम में जोड़ें।

10(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :

'आंबेडकर के अनुसार शारीरिक वंश परंपरा की दृष्टि से मनुष्य में भिन्नता होने के कारण क्या उनके साथ असमान व्यवहार किया जाना चाहिए ?' कथन पर टिप्पणी कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- मनुष्यों की क्षमताओं में शारीरिक वंशपरंपरा, सामाजिक विरासत और व्यक्तिगत प्रयत्न के कारण अंतर होता है।
- समानता का आदर्श भिन्नताओं के रहते हुए भी सबको विकास के अवसर देने पर आधारित है।

चरण 1: भिन्नता और व्यवहार का अंतर समझें आंबेडकर स्वीकार करते हैं कि सभी मनुष्यों में समान शारीरिक या अर्जित क्षमताएँ नहीं होतीं। किंतु जन्म और सामाजिक पृष्ठभूमि व्यक्ति के नियंत्रण में नहीं होते। इन आधारों पर पहले ही भेदभाव किया जाए तो कुछ लोगों को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर ही नहीं मिलेगा। इसलिए क्षमता में अंतर का तथ्य असमान व्यवहार का औचित्य नहीं बनता। समाज को ऐसी व्यवस्था अपनानी चाहिए जिसमें सभी अपने सामर्थ्य का विकास कर सकें।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर नहीं, शारीरिक वंशपरंपरा से उत्पन्न भिन्नता असमान व्यवहार का आधार नहीं बननी चाहिए। जन्मजात परिस्थितियों पर व्यक्ति का नियंत्रण नहीं होता। आंबेडकर के अनुसार सभी को समान अवसर मिलने चाहिए, ताकि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता विकसित करके समाज के विकास में योगदान दे सके।

चरण 3: निष्कर्ष आंबेडकर जन्मगत भिन्नता के बावजूद समान व्यवहार और समान अवसर का समर्थन करते हैं।

त्वरित सुझाव: भिन्नता को स्वीकारते हुए स्पष्ट लिखें कि जन्म व्यक्ति के वश में नहीं, इसलिए भेदभाव उचित नहीं।

11(क). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :

वर्तमान युग में युवा पीढ़ी और बुजुर्गों के दृष्टिकोण में बहुत अन्तर दिखाई देता है, इसका क्या कारण है ? 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के संदर्भ में लिखिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- बदलता सामाजिक परिवेश पीढ़ियों के जीवन-मूल्यों और अपेक्षाओं को प्रभावित करता है।
- यशोधर बाबू का परंपराप्रिय स्वभाव और उनके बच्चों की आधुनिक सोच कहानी में पीढ़ियों के अंतर को व्यक्त करते हैं।

चरण 1: कहानी के प्रसंग से कारण जोड़ें यशोधर बाबू का व्यक्तित्व पुराने संस्कारों और किशनदा जैसे लोगों के प्रभाव में बना है। वे सादगी, मर्यादा और परंपरागत आचरण को महत्त्व देते हैं। दूसरी ओर उनके बच्चे आधुनिक जीवनशैली, आर्थिक सफलता और सुविधाओं को सहज स्वीकारते हैं। विवाह की वर्षगाँठ के आयोजन को लेकर यशोधर बाबू की असहजता इसी अंतर को उजागर करती है। दोनों पीढ़ियों के अनुभव और समय अलग होने से एक ही घटना के प्रति उनकी प्रतिक्रियाएँ अलग हैं।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर बदलते समय, परिवेश और जीवन-मूल्यों के कारण दोनों पीढ़ियों के दृष्टिकोण में अंतर है। यशोधर बाबू सादगी और पुराने संस्कारों से जुड़े हैं, जबकि उनके बच्चे आधुनिक सुविधाओं और उत्सवप्रिय जीवन को महत्त्व देते हैं। विवाह की वर्षगाँठ का आयोजन इसी अंतर को दिखाता है।

चरण 3: निष्कर्ष पीढ़ियों का अंतर अलग अनुभवों, संस्कारों और बदलती जीवनशैली से उत्पन्न होता है।

त्वरित सुझाव: सामान्य कारण बताने के बाद यशोधर बाबू और बच्चों के अलग मूल्यों का एक ठोस प्रसंग अवश्य दें।

11(ख). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :

'जूझ' कहानी का उद्देश्य क्या है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- आत्मकथात्मक पाठ में शिक्षा पाने की इच्छा प्रतिकूल परिस्थितियों से संघर्ष की प्रेरणा देती है।
- लगन, परिश्रम और सृजनशीलता व्यक्ति को अपनी क्षमताएँ विकसित करने में सहायता देते हैं।

चरण 1: आनंदा के संघर्ष से उद्देश्य पहचानें आनंदा पढ़ना चाहता है, लेकिन घर की कठिन परिस्थितियाँ और पिता की अपेक्षाएँ उसके मार्ग में बाधा बनती हैं। उसे खेती के काम के साथ पढ़ाई का अवसर जुटाना पड़ता है। विद्यालय लौटने के बाद भी वह मेहनत छोड़ता नहीं; शिक्षक की प्रेरणा से साहित्य और कविता के प्रति उसकी रुचि विकसित होती है। इस प्रकार पाठ शिक्षा को केवल परीक्षा पास करने का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और सृजनात्मक क्षमता के विकास का मार्ग दिखाता है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर जूझ का उद्देश्य बताना है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम और शिक्षा के प्रति लगन से कठिन परिस्थितियों का सामना किया जा सकता है। आनंदा पारिवारिक बाधाओं और खेती के काम के बीच पढ़ाई जारी रखता है तथा शिक्षकों की प्रेरणा से अपनी सृजनशीलता विकसित करता है।

चरण 3: निष्कर्ष पाठ विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा और आत्मविकास के लिए निरंतर संघर्ष की प्रेरणा देता है।

त्वरित सुझाव: कहानी का उद्देश्य लिखते समय आनंदा के संघर्ष और शिक्षा से हुए व्यक्तित्व-विकास को साथ रखें।

11(ग). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :

'मुअनजो-दड़ो के घरों के अधूरे पायदानों पर खड़े होकर आप इतिहास को नहीं उसके पार झाँक सकते हैं।' इस कथन से लेखक का क्या आशय है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पुरातात्त्विक अवशेष प्राचीन सभ्यता के सामान्य जनजीवन को समझने का माध्यम हैं।
- यहाँ इतिहास के पार झाँकने का आशय तिथियों और घटनाओं से आगे तत्कालीन जीवन को अनुभव करना है।

चरण 1: अवशेषों से जनजीवन का संबंध समझें मुअनजो-दड़ो के घरों के पायदान केवल ईंटों के बचे हुए ढाँचे नहीं हैं। वे उन लोगों की उपस्थिति का बोध कराते हैं जो कभी इन घरों में रहते, आते-जाते और दैनिक काम करते थे। लेखक इन अवशेषों के माध्यम से सामान्य लोगों की जीवनचर्या तथा विकसित नगर-व्यवस्था को महसूस करता है। कथन में इतिहास के पार जाने का अर्थ किसी रहस्यलोक में पहुँचना नहीं, बल्कि लिखित विवरण से आगे उस सभ्यता के मानवीय जीवन की कल्पना करना है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर लेखक का आशय है कि मुअनजो-दड़ो के घरों के अवशेष देखकर केवल ऐतिहासिक तथ्य नहीं, वहाँ बसे लोगों का वास्तविक जीवन अनुभव किया जा सकता है। अधूरे पायदान तत्कालीन रहन-सहन, घरेलू गतिविधियों और सभ्यता की झलक देकर अतीत को सजीव बना देते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष ये अवशेष इतिहास की सूचनाओं से आगे प्राचीन लोगों के जीवंत संसार का बोध कराते हैं।

त्वरित सुझाव: इतिहास के पार का अर्थ स्पष्ट करने के लिए साधारण लोगों के रहन-सहन और दैनिक जीवन का उल्लेख करें।

12(क). निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

ओ.टी.टी. पर्दा : मनोरंजन की नई परिभाषा [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में विषय से जुड़ी अनुभूति, मौलिक दृष्टि और सहज भाषा का समन्वय किया जाता है। आकर्षक आरंभ पाठक को विषय से जोड़ता है।
- इस विषय में ओ.टी.टी. से मनोरंजन के समय, स्थान और विषयवस्तु में आए बदलाव को समझाते हुए विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश देना उचित है।

चरण 1: लेख की रूपरेखा बनाना विषय को ही शीर्षक बनाएँ। आरंभ घर के पर्दे पर उपलब्ध मनोरंजन के अनुभव से करें। मध्य में अपनी सुविधा से कार्यक्रम देखने, विविध भाषाओं की सामग्री और नए कलाकारों को अवसर मिलने का उल्लेख करें। अंत में दर्शक की जिम्मेदारी पर विचार रखें।

चरण 2: भाषा और सीमा का ध्यान रखना लगभग 120 शब्दों के लेख में छोटे, स्पष्ट वाक्य उपयोगी होंगे। केवल सुविधाएँ गिनाने के बजाय अनुभव से विचार तक बढ़ें। अत्यधिक देखने और अनुपयुक्त सामग्री की समस्या का संक्षिप्त उल्लेख लेख को संतुलित बनाता है। विचारों का क्रम स्वाभाविक रखें और एक ही बात को अलग शब्दों में दोहराने से बचें। नीचे पूरा नमूना लेख दिया गया है।

चरण 3: नमूना रचनात्मक लेख **ओ.टी.टी. पर्दा : मनोरंजन की नई परिभाषा**

कभी पूरा परिवार निश्चित समय पर टेलीविजन के सामने बैठता था। अब मनोरंजन हमारी जेब में है। बस एक स्पर्श और मनपसंद फिल्म या धारावाहिक सामने! ओ.टी.टी. ने दर्शक को अपनी सुविधा से कार्यक्रम देखने की स्वतंत्रता दी है। अलग भाषाओं की कहानियाँ हमारे घर तक पहुँच रही हैं। नए कलाकारों और छोटे शहरों की आवाजों को भी पहचान मिल रही है। लेकिन लगातार देखते रहने की आदत समय और स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है। हर सामग्री हर उम्र के लिए उपयुक्त भी नहीं होती। इसलिए चयन में समझदारी और समय की सीमा जरूरी है। यह नया पर्दा तभी सार्थक है, जब वह हमारी संवेदना बढ़ाए और जीवन के वास्तविक संबंधों के लिए भी जगह छोड़े।

चरण 4: निष्कर्ष इस लेख में मनोरंजन की नई स्वतंत्रता और विविधता के साथ जिम्मेदार दर्शक बनने का विचार प्रस्तुत किया गया है।

त्वरित सुझाव: आरंभ किसी परिचित दृश्य से करें और अंत में उसी अनुभव से निकला मौलिक संदेश दें; लेख को केवल लाभों की सूची न बनाएँ।

12(ख). निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

बढ़ती जनसंख्या : घटते संसाधन [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख विषय को किसी दृश्य या अनुभव से जोड़कर विचार प्रस्तुत करता है। भाषा सरल, अभिव्यक्ति मौलिक और विचारों का क्रम सुसंगत होना चाहिए।
- जनसंख्या और संसाधनों के संबंध को पानी, भूमि, आवास तथा सार्वजनिक सुविधाओं पर बढ़ते दबाव से समझाया जा सकता है। समाधान में जागरूकता और जिम्मेदार उपभोग दोनों आवश्यक हैं।

चरण 1: विषय का विस्तार तय करना शीर्षक के बाद किसी परिचित दृश्य से समस्या सामने रखें। बढ़ती आबादी से जल, भूमि, जंगल और रोजगार पर पड़ने वाले दबाव को जोड़ें। अंत में शिक्षा, छोटे परिवार और संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता प्रस्तुत करें। विषय को केवल जनसंख्या के आँकड़ों तक सीमित न रखें।

चरण 2: प्रस्तुति को सुसंगत बनाना लगभग 120 शब्दों में आरंभ, विस्तार और समापन का संतुलन बनाएँ। अप्रमाणित आँकड़े देने के बजाय दैनिक जीवन के उदाहरण उपयोग करें। समस्या को स्पष्ट करते हुए आशावादी समाधान दें। हर वाक्य पिछले विचार को आगे बढ़ाए। नीचे दिया गया लेख इन बिंदुओं को एक सतत रचना में पिरोता है।

चरण 3: नमूना रचनात्मक लेख **बढ़ती जनसंख्या : घटते संसाधन**

सुबह पानी के नल पर लंबी कतार देखकर लगता है, जैसे हमारी जरूरतें बढ़ रही हैं और धरती की झोली छोटी होती जा रही है। बढ़ती जनसंख्या के साथ भोजन, आवास, शिक्षा और रोजगार की माँग बढ़ती है। खेतों पर इमारतें खड़ी हो रही हैं और जंगल सिमट रहे हैं। जल का अंधाधुंध दोहन भविष्य की प्यास बढ़ा रहा है। संसाधन सीमित हैं; उनका असमान वितरण संकट को और गहरा करता है। समाधान केवल चिंता करने में नहीं, समझदारी से कदम उठाने में है। शिक्षा, परिवार नियोजन और महिलाओं की जागरूकता से बदलाव संभव है। साथ ही पानी बचाना, वस्तुओं का पुनः उपयोग और प्रकृति का संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। आज संयम अपनाएँगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के हिस्से में हरियाली बचेगी।

चरण 4: निष्कर्ष लेख जनसंख्या के दबाव और सीमित संसाधनों के संबंध को स्पष्ट करते हुए जागरूकता, जिम्मेदार व्यवहार तथा संरक्षण का संदेश देता है।

त्वरित सुझाव: पानी की कतार जैसा छोटा दृश्य चुनकर समस्या स्पष्ट करें; अंत में ऐसे उपाय दें जिन्हें व्यक्ति और समाज व्यवहार में ला सकें।

12(ग). निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

घर के कबाड़घर में रखा पुराना टी.वी. [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में सामान्य वस्तु को कल्पना, स्मृति और संवेदना से नया अर्थ दिया जाता है। पुराने टी.वी. का वर्णन करते हुए पारिवारिक जीवन में उसकी भूमिका उभारना विषय का केंद्र है।
- लगभग 120 शब्दों का लेख रोचक शीर्षक, सजीव आरंभ, अनुभव के विस्तार और प्रभावपूर्ण अंत से बनता है। वस्तु की विशेषताओं को केवल गिनाने के बजाय उनसे जुड़ा भाव व्यक्त करना चाहिए।

चरण 1: लेख का स्वरूप और कथन दृष्टि इसे किसी उपकरण की तकनीकी जानकारी वाला विवरण बनाने के बजाय स्मृतिपरक रचनात्मक लेख बनाएँ। प्रथम पुरुष में कबाड़घर में प्रवेश का प्रसंग रखने से पाठक वस्तु और लेखक के संबंध को समझ सकेगा। धूल, बंद परदा और पुराने बटन जैसे दृश्य विवरण वातावरण बनाएँगे।

चरण 2: विषयवस्तु की योजना आरंभ में कबाड़घर में पड़े टी.वी. का दृश्य रखें। मध्य में उसके सामने एकत्र परिवार, रविवार के कार्यक्रम और समाचार देखने की यादें जोड़ें। अंत में आज के अलग-अलग परदों से पुराने सामूहिक अनुभव की तुलना करके बताएं कि उपेक्षित वस्तु भी भावनात्मक संपत्ति हो सकती है। घटनाओं का प्रवाह स्वाभाविक और भाषा सरल रखें।

चरण 3: संपूर्ण आदर्श रचनात्मक लेख **धूल के पीछे झिलमिलाती यादें**

आज कबाड़घर साफ करते समय कोने में रखा पुराना टी.वी. दिखाई दिया। उसके परदे पर धूल थी, पर मेरी आँखों में बचपन चमक उठा। कभी इसी के सामने पूरा परिवार बैठता था। रविवार की सुबह चित्रहार की चर्चा होती और शाम को समाचार सुनते समय दादाजी सबको चुप करा देते। एंटीना घुमाते हुए छत से हमारी आवाज आती, 'अब तस्वीर साफ हुई?'

आज हर हाथ में अपना परदा है, मगर साथ बैठने का समय कम है। उस टी.वी. के बटन टूट चुके हैं, आवाज भी शायद न निकले; फिर भी उसमें घर की अनगिनत हँसियाँ सुरक्षित हैं। मैंने उसका परदा पोंछा और उसे बेचने का विचार छोड़ दिया। कुछ चीजें कबाड़ नहीं होतीं, वे हमारे बीते दिनों का घर होती हैं।

चरण 4: निष्कर्ष पुराने टी.वी. को पारिवारिक स्मृतियों के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करने से साधारण विषय में संवेदना और रचनात्मकता आती है। आदर्श लेख लगभग 120 शब्दों में दृश्य, स्मृति और भावपूर्ण अंत को जोड़ता है।

त्वरित सुझाव: पुराने टी.वी. पर लिखते समय एक दृश्य, एक पारिवारिक याद और एक संवेदनात्मक निष्कर्ष चुनें; तकनीकी विवरण में शब्द खर्च न करें।

13(क). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

तकनीकी विकास के बावजूद हिन्दी की वेब पत्रकारिता अपने शैशवकाल में ही क्यों है ? इसके विकास के लिए क्या आवश्यक है ?

[3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- हिंदी की वेब पत्रकारिता का विकास केवल तकनीकी साधनों पर निर्भर नहीं करता। भाषा की सुलभता, पाठकों की भागीदारी और पर्याप्त मौलिक सामग्री भी आवश्यक हैं।
- अभिव्यक्ति और माध्यम के अनुसार हिंदी के विभिन्न फ़ॉन्ट और की-बोर्ड संबंधी असंगति तथा सीमित पाठक आधार इसके विकास की प्रमुख बाधाएँ रही हैं।

चरण 1: प्रश्न के दोनों पक्ष समझना उत्तर में पहले हिंदी की वेब पत्रकारिता के सीमित विकास के कारण और फिर उसके विकास के उपाय देने हैं। केवल इंटरनेट की गति बढ़ाने को उपाय बताना अधूरा होगा; हिंदी सामग्री को आसानी से लिखना, पढ़ना और खोजना भी जरूरी है। तकनीकी उपलब्धता और भाषा के व्यावहारिक उपयोग में अंतर स्पष्ट करना चाहिए। उपायों को इन्हीं बाधाओं से सीधे जोड़ना उत्तर को संगत बनाता है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में आदर्श उत्तर हिंदी की वेब पत्रकारिता में फ़ॉन्ट और की-बोर्ड की एकरूपता का अभाव, सीमित पाठक-वर्ग तथा मौलिक सामग्री की कमी उसके शैशवकाल में रहने के कारण हैं। अनेक वेबसाइटें मुद्रित समाचार-पत्रों की सामग्री ही प्रस्तुत करती हैं। इसके विकास के लिए यूनिकोड का व्यापक उपयोग, सुलभ तकनीक, गुणवत्तापूर्ण मौलिक हिंदी सामग्री और इंटरनेट तक हिंदी पाठकों की पहुँच बढ़ाना आवश्यक है।

चरण 3: निष्कर्ष तकनीकी विकास का लाभ हिंदी पत्रकारिता को तभी मिलेगा, जब भाषा संबंधी कठिनाइयाँ दूर हों और पाठकों के लिए पर्याप्त मौलिक, उपयोगी तथा आसानी से उपलब्ध सामग्री तैयार हो।

त्वरित सुझाव: ऐसे प्रश्न में कारण और उपाय को जोड़े में रखें: फ़ॉन्ट की असंगति के लिए एकरूप तकनीक, सामग्री की कमी के लिए मौलिक लेखन और सीमित पाठकों के लिए व्यापक पहुँच।

13(ख). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

मुद्रित माध्यमों की तुलना में भाषा-शैली के स्तर पर रेडियो और टी.वी. पर प्रस्तुत किए जाने वाले समाचारों में विशेष सावधानी क्यों बरतनी चाहिए ?

[3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- मुद्रित समाचार को पाठक अपनी गति से पढ़ सकता है, जबकि रेडियो और टेलीविजन का समाचार सुनते समय उसकी गति श्रोता के नियंत्रण में नहीं होती।
- श्रव्य समाचार की भाषा बोलचाल की, स्पष्ट और तुरंत समझ आने वाली होनी चाहिए; जटिल वाक्य और अपरिचित शब्द अर्थ ग्रहण करने में बाधा बनते हैं।

चरण 1: माध्यमों का अंतर समझें समाचार-पत्र पढ़ते समय कठिन अंश को दोबारा पढ़ा जा सकता है। पाठक रुककर शब्द का अर्थ समझ सकता है और पिछली सूचना से उसका संबंध जोड़ सकता है। रेडियो तथा टी.वी. पर समाचार आगे बढ़ जाता है; छूटे हुए शब्द को उसी क्षण फिर सुनने का अवसर सामान्यतः नहीं मिलता। इसलिए एक अस्पष्ट वाक्य भी अगली सूचना समझने में बाधक हो सकता है।

चरण 2: भाषा संबंधी सावधानियाँ पहचानें वाक्य छोटे और सीधे हों तथा शब्द परिचित और उच्चारण में सहज हों। भारी-भरकम आँकड़े, लंबे उपवाक्य, कठिन संक्षिप्ताक्षर और उलझा हुआ क्रम नहीं रखना चाहिए। टी.वी. पर बोले गए शब्द दृश्य के अनुरूप हों, जिससे दर्शक को एक साथ दो असंबद्ध सूचनाएँ न समझनी पड़ें। नीचे इन बिंदुओं को संक्षिप्त उत्तर में रखा गया है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर मुद्रित समाचार को पाठक अपनी सुविधा से रुककर और दोबारा पढ़ सकता है, जबकि रेडियो और

टी.वी. के समाचार सुनते ही समझने पड़ते हैं। छूटी बात तत्काल फिर नहीं सुनी जा सकती। इसलिए उनकी भाषा सरल, बोलचाल की और स्पष्ट होनी चाहिए। छोटे वाक्य, सहज उच्चारण तथा अनावश्यक आँकड़ों से बचाव जरूरी हैं। टी.वी. में भाषा और दृश्य का तालमेल भी आवश्यक है।

चरण 4: निष्कर्ष रेडियो और टी.वी. की तत्काल ग्रहण की जाने वाली प्रकृति के कारण समाचार की भाषा में विशेष स्पष्टता और सरलता आवश्यक है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पहले दोबारा पढ़ने की सुविधा का अंतर बताएँ, फिर सरल शब्द, छोटे वाक्य और स्पष्ट उच्चारण जोड़ें।

13(ग). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

समाचार-पत्रों में अगर आर्थिक जगत से जुड़ी खबरें न हों तो वह संपूर्ण नहीं माना जाएगा, क्यों ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- समाचार-पत्र का उद्देश्य समाज के विविध क्षेत्रों की आवश्यक और प्रासंगिक सूचनाएँ देना है। आर्थिक गतिविधियाँ जनजीवन तथा अन्य समाचार क्षेत्रों से भी जुड़ी होती हैं।
- आर्थिक पत्रकारिता में महँगाई, रोजगार, बाजार, उद्योग, व्यापार, कृषि, बजट और सरकारी आर्थिक नीतियों से संबंधित समाचार आते हैं।

चरण 1: अर्थव्यवस्था का जनजीवन से संबंध परिवार का बजट वस्तुओं की कीमतों से प्रभावित होता है। रोजगार और आय की स्थितियाँ शिक्षा, उपभोग तथा जीवनस्तर पर असर डालती हैं। किसान फसल के मूल्य से, कर्मचारी वेतन से, व्यापारी बाजार से और निवेशक बचत तथा निवेश की जानकारी से जुड़े हैं। इस प्रकार आर्थिक खबरें केवल बड़े कारोबारियों की आवश्यकता नहीं, सामान्य नागरिक के जीवन की भी जानकारी हैं।

चरण 2: समाचार-पत्र की संपूर्णता समझें राजनीतिक नीतियों और सामाजिक परिवर्तनों के आर्थिक परिणाम होते हैं। बजट, कर, उत्पादन और व्यापार की खबरें न होने पर पाठक इन परिणामों को पूरा नहीं समझ सकेगा। समाचार-पत्र को विविध पाठक वर्गों की सूचना संबंधी जरूरतें पूरी करनी होती हैं। आर्थिक पक्ष की अनुपस्थिति समाज की अधूरी तस्वीर प्रस्तुत करेगी। इन्हीं कारणों को संक्षिप्त उत्तर में समेटना चाहिए।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर आर्थिक गतिविधियाँ समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन को प्रभावित करती हैं। महँगाई, रोजगार, खेती, उद्योग, व्यापार, बजट और सरकारी आर्थिक नीतियों की जानकारी सामान्य नागरिक के लिए भी जरूरी है। इन समाचारों से पाठक अपनी आय, खर्च, बचत और भविष्य के बारे में उचित निर्णय ले पाता है। आर्थिक खबरों के बिना समाचार-पत्र समाज की पूरी तस्वीर और उपयोगी जानकारी नहीं दे सकेगा।

चरण 4: निष्कर्ष अर्थव्यवस्था से सबका जीवन जुड़ा है; इसलिए आर्थिक समाचारों के बिना समाचार-पत्र की विषयगत संपूर्णता अधूरी रहती है।

त्वरित सुझाव: केवल व्यापारियों का उल्लेख न करें; महँगाई, रोजगार और घरेलू बजट के उदाहरणों से सामान्य पाठक की जरूरत स्पष्ट करें।

14(i)(a). कहानीकार द्वारा कहानी में वर्णित मानसिक द्वंद्व को नाटक में किस प्रकार रूपांतरित किया जा सकता है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कहानी में कथावाचक पात्र के मन की स्थिति का वर्णन कर सकता है। नाटक में उसी भाव को मंच पर दिखाई या सुनाई देने वाली क्रिया में बदलना होता है।

- मानसिक द्वंद्व की नाटकीय अभिव्यक्ति के साधन स्वगत कथन, संवाद, हावभाव, मौन और उपयुक्त मंचीय क्रियाएँ हैं।

चरण 1: भीतरी संघर्ष को व्यक्त करने के उपाय यदि पात्र अकेला है तो स्वगत कथन द्वारा उसके परस्पर विरोधी विचार सुनाए जा सकते हैं। किसी अन्य पात्र से संवाद में वह अपनी उलझन, संदेह या दुविधा व्यक्त कर सकता है। कथावाचक के लंबे विवरण को ज्यों का त्यों संवाद बना देना पर्याप्त नहीं है; पात्र की स्थिति और उसके निर्णय के संघर्ष को जीवंत बनाना चाहिए।

चरण 2: मंच पर द्वंद्व दिखाएँ चेहरे की बेचैनी, रुक-रुककर बोलना, टहलना, मौन और अधूरी क्रियाएँ भी मन की खींचतान स्पष्ट करती हैं। इनका चयन पात्र तथा प्रसंग के अनुरूप होना चाहिए। स्वगत कथन और संवाद के साथ ऐसी मंचीय क्रियाएँ जोड़ने से दर्शक मानसिक द्वंद्व अनुभव कर सकता है।

चरण 3: निष्कर्ष कहानी के मानसिक द्वंद्व को स्वगत कथन, अन्य पात्रों से संवाद तथा उपयुक्त अभिनय, मौन और मंचीय क्रियाओं के माध्यम से नाटक में रूपांतरित किया जा सकता है।

त्वरित सुझाव: मन की बात को दृश्य या श्रव्य क्रिया में बदलें; उत्तर में स्वगत कथन के साथ संवाद और हावभाव अवश्य लिखें।

अथवा

14(i)(b). "लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप" प्रसंग के आधार पर रावण और कुंभकरण के बीच हुए संवाद के दृश्य को लगभग 40 शब्दों में लिखिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- इस प्रसंग में रावण अपने योद्धाओं की हानि से चिंतित होकर कुंभकरण को जगाता है। सीता-हरण की बात जानकर कुंभकरण रावण के आचरण की निंदा करता है।
- संवाद में रावण की संकटग्रस्त स्थिति और कुंभकरण का स्पष्ट विरोध तथा युद्ध के लिए तत्पर होना सामने आना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग और संवाद की योजना रावण की व्याकुलता तथा कुंभकरण की प्रतिक्रिया को पात्रों के नाम देकर प्रस्तुत करें। कथा का लंबा सार न लिखें। कुंभकरण सीता-हरण को अनुचित मानता है, फिर भी संकट में भाई का साथ देने के लिए युद्ध को जाता है। नीचे मूल प्रसंग के भाव पर आधारित संवाद है, पाठ की पंक्तियों का उद्धरण नहीं।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में संवाद रावण : भाई! हमारे अनेक वीर मारे गए; संकट बढ़ रहा है।

कुंभकरण : सीता का हरण करके तुमने अपना अहित किया।

रावण : अब मुझे तुम्हारा सहारा है।

कुंभकरण : तुम्हारा कर्म अनुचित है; फिर भी मैं युद्ध करूँगा। चिंता छोड़ो।

चरण 3: निष्कर्ष संवाद में रावण की चिंता और कुंभकरण द्वारा सीता-हरण की निंदा के साथ भाई की सहायता के लिए युद्ध की तत्परता व्यक्त हुई है।

त्वरित सुझाव: दोनों पात्रों के नाम के आगे छोटे कथन लिखें; कुंभकरण की असहमति और युद्ध की तत्परता दोनों सामने आएँ।

14(ii)(a). नए विषयों पर लेखन एक चुनौतीपूर्ण कार्य क्यों लगता है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- नए अथवा अप्रत्याशित विषय पर लेखन में तैयार सामग्री के स्थान पर अपने अनुभव, कल्पना और विचारों के आधार पर सामग्री जुटानी पड़ती है।
- विषय की मौलिक व्याख्या और विचारों का सुसंगत क्रम रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाते हैं।

चरण 1: चुनौती के कारण पहचानें परिचित विषयों पर लेखक को पहले से पढ़े हुए विचार और उदाहरण मिल जाते हैं। नए विषय पर ऐसी तैयार रूपरेखा नहीं होती। उसे विषय के विभिन्न पक्ष खोजने, उपयुक्त अनुभव याद करने और अपनी स्वतंत्र दृष्टि विकसित करने का प्रयास करना पड़ता है।

चरण 2: संक्षिप्त उत्तर नए विषयों पर पहले से तैयार सामग्री या विचार उपलब्ध नहीं होते। लेखक को अपने अनुभव, कल्पना और मौलिक चिंतन से विषय के पक्ष खोजकर उन्हें क्रमबद्ध करना पड़ता है। अभ्यास और आत्मविश्वास की कमी भी इस काम को चुनौतीपूर्ण बनाती है।

चरण 3: निष्कर्ष नए विषयों पर लेखन की चुनौती स्वतंत्र विचार खोजने और उन्हें रोचक, सुसंगत रूप देने में है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में तैयार सामग्री का अभाव और मौलिक विचारों की आवश्यकता, दोनों कारण स्पष्ट करें।

अथवा

14(ii)(b). सिनेमा या रंगमंच (दृश्य माध्यम) और रेडियो नाटक में क्या अंतर है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- सिनेमा और रंगमंच दृश्य-श्रव्य माध्यम हैं; रेडियो नाटक केवल श्रव्य माध्यम है।
- रेडियो में संवाद, ध्वनि-प्रभाव और संगीत पात्र, स्थान, वातावरण तथा घटनाओं का बोध कराते हैं।

चरण 1: माध्यमों की अभिव्यक्ति समझें सिनेमा और रंगमंच में दर्शक पात्रों की वेशभूषा, चेहरे के भाव, हावभाव और दृश्य-सज्जा देख सकता है। इसलिए मौन अभिनय भी अर्थ दे सकता है। रेडियो में ये दृश्य साधन उपलब्ध नहीं होते; आवश्यक परिस्थिति और क्रिया का संकेत सुनाई देने वाले तत्वों से ही देना पड़ता है।

चरण 2: संक्षिप्त उत्तर सिनेमा और रंगमंच में दृश्य तथा ध्वनि, दोनों से कथा व्यक्त होती है। रेडियो नाटक में दृश्य दिखाई नहीं देते; संवाद, ध्वनि-प्रभाव और संगीत से पात्रों, घटनाओं तथा वातावरण का बोध होता है। श्रोता इन्हीं के आधार पर दृश्य की कल्पना करता है।

चरण 3: निष्कर्ष दृश्य माध्यम देखने और सुनने पर आधारित हैं, जबकि रेडियो नाटक में पूरी नाटकीय अभिव्यक्ति ध्वनि से होती है।

त्वरित सुझाव: तुलना में दृश्य माध्यम के हावभाव और रेडियो के संवाद तथा ध्वनि-प्रभाव का उल्लेख अवश्य करें।